R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 188 | पेज: 8 | जयपुर, बुधवार, 17 जून 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

G7 शिखर सम्मेलन में शामिल होने फ्रांस पहुंचे पीएम मोदी

» वैश्विक सहयोग और सतत विकास पर दिया जोर

एवियन/फ्रांस (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी G7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए फ्रांस के एवियन पहुंच गए हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों द्वारा आयोजित इस प्रतिष्ठित सम्मेलन में दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के नेता वैश्विक चुनौतियों और सहयोग के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने फ्रांस पहुंचने के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने आगमन की जानकारी साझा करते हुए कहा कि वे विश्व नेताओं के साथ सार्थक बातचीत और वैश्विक महत्व के विषयों पर विचार-विमर्श को लेकर उत्साहित हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संदेश में कहा कि भारत एक अधिक सतत, समावेशी और समृद्ध भविष्य के निर्माण के लिए वैश्विक स्तर पर सामूहिक प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध

है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह सम्मेलन वैश्विक शांति, आर्थिक विकास और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को नई दिशा देगा। फ्रांस पहुंचने से पहले प्रधानमंत्री मोदी स्लोवाकिया के दौरे पर थे। स्लोवाकिया से रवाना होने के बाद उन्होंने जिनेवा में संक्षिप्त पड़ाव किया, जहां स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गाइ पारमेलिन ने उनका स्वागत किया। दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय संबंधों और आपसी सहयोग को लेकर सकारात्मक चर्चा हुई। विदेश मंत्रालय ने भी दोनों नेताओं की मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए बताया कि भारत और स्विट्जरलैंड ने संबंधों को और मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई है। तीन दिनों तक चलने वाले G7 शिखर सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज, इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर, कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची सहित कई वैश्विक नेता हिस्सा ले रहे हैं। सम्मेलन में वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरराष्ट्रीय व्यापार तथा अमेरिका-ईरान संबंधों जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। भारत की भागीदारी को वैश्विक मंच पर उसकी बढ़ती भूमिका और प्रभाव का महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है।

अमेरिका का B-52 बॉम्बर टेकऑफ के तुरंत बाद क्रैश, 8 लोगों की मौत

कैलिफोर्निया (एजेंसी)। अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित एडवर्ड्स एयरफोर्स बेस पर सोमवार को एक बड़ा सैन्य विमान हादसा हो गया। अमेरिकी वायुसेना का बी-52 स्ट्रैटोफोर्ट्रेस बॉम्बर विमान उड़ान भरने के कुछ ही क्षण बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें सवार सभी 8 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में वायुसेना के जवानों के साथ परीक्षण उड़ान से जुड़े विशेषज्ञ भी शामिल बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद पूरे एयरबेस को अलर्ट पर रखा गया है और दुर्घटना की विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है।

टेकऑफ के तुरंत बाद हुआ हादसा, इलाके में मचा हड़कंप

अमेरिकी वायुसेना के अनुसार यह विमान नियमित परीक्षण उड़ान पर था। सुबह करीब 11:20 बजे विमान ने एडवर्ड्स एयरफोर्स बेस से उड़ान भरी, लेकिन कुछ ही देर बाद नियंत्रण खो बैठा और जमीन पर गिर गया। दुर्घटना के तुरंत बाद विमान में भीषण आग लग गई और देखते ही देखते उसका अधिकांश हिस्सा जलकर नष्ट हो गया। हादसे के बाद एयरबेस के पास रेगिस्तानी क्षेत्र में काले धुएं का विशाल गुबार दिखाई दिया। मौके पर दमकल और आपातकालीन सेवाओं की कई टीमें भेजी गईं। सुरक्षा कारणों से एयरफील्ड को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है तथा आने वाले विमानों को दूसरे एयरबेस की ओर डायवर्ट किया जा रहा है। वायुसेना ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि दुर्घटना के समय विमान में कोई हथियार मौजूद थे या नहीं। चालक दल के सदस्यों की पहचान भी आधिकारिक रूप से सार्वजनिक नहीं की गई है।

जांच शुरू, कंट्रोल सिस्टम और इंजन फेल होने की संभावना

विमानन सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि हादसे के पीछे तकनीकी खराबी प्रमुख कारण हो सकती है। विशेषज्ञ जेफ गुजेटी के अनुसार विमान का टेकऑफ के तुरंत बाद गिरना फ्लाइट कंट्रोल सिस्टम में गंभीर गड़बड़ी की ओर संकेत करता है। हालांकि उन्होंने कहा कि जांच पूरी होने से पहले किसी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा। विशेषज्ञों के मुताबिक यह इंजन फेल होने, मेंटेनेंस से जुड़ी समस्या या परीक्षण के दौरान इस्तेमाल किए जा रहे किसी उपकरण की खराबी का मामला भी हो सकता है। चूंकि यह परीक्षण उड़ान थी, इसलिए जोखिम सामान्य उड़ानों की तुलना में अधिक था। बी-52 स्ट्रैटोफोर्ट्रेस दुनिया के सबसे प्रसिद्ध सामरिक बमवर्षक विमानों में गिना जाता है। शीत युद्ध के दौर में विकसित यह विमान आज भी अमेरिकी वायुसेना की रणनीतिक शक्ति का अहम हिस्सा है। लंबी दूरी तक उड़ान भरने और भारी हथियार ले जाने की क्षमता के कारण इसे दुनिया के सबसे प्रभावशाली सैन्य विमानों में शामिल किया जाता है। अब इस दुर्घटना ने अमेरिकी सैन्य विमानन सुरक्षा को लेकर कई नए सवाल खड़े कर दिए हैं।

संक्षिप्त समाचार

चीन-जापान में भूकंप के तेज झटके, एक की मौत

बीजिंग/टोक्यो (एजेंसी)। चीन और जापान में मंगलवार को भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए गए। चीन के उत्तर-पश्चिमी प्रांत किंगहाई के हासी क्षेत्र में 6.3 तीव्रता का भूकंप आया, जिसकी गहराई 10 किलोमीटर दर्ज की गई। भूकंप के कारण एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। भूकंप के बाद क्षेत्र में कई आफ्टरशॉक्स भी महसूस किए गए, जिनमें 4.9 तीव्रता का झटका भी शामिल है। चीन भूकंप प्रशासन ने तुरंत आपातकालीन प्रतिक्रिया शुरू कर दी है। एपिसेंटर के आसपास स्थित कोयला खदानों से सभी कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है, जबकि बचाव दल प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं खोज अभियान चला रहे हैं। इसी दिन इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप पर भी 6.7 तीव्रता

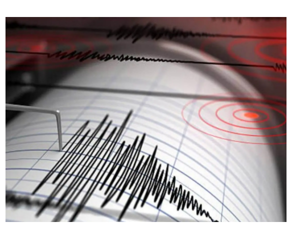

का भूकंप आया। इसके चलते लोगों में दहशत फैल गई और बड़ी संख्या में लोग घरों से बाहर निकल आए। सेंट्रल सुलावेसी की राजधानी पालू में तेज झटके महसूस किए गए। एहतियात के तौर पर कई अस्पतालों ने मरीजों को खुले स्थानों में स्थानांतरित कर दिया। विशेषज्ञों के अनुसार भूकंप पृथ्वी की टेक्टोनिक प्लेटों के खिसकने से आता है। अचानक ऊर्जा मुक्त होने पर धरती में कंपन पैदा होता है, जिसे भूकंप कहा जाता है। अधिकारियों ने लोगों से सतर्क रहने और प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

30 मीटर गहरी खाई में गिरा युवक, SDRF ने बचाई जान

रुद्रप्रयाग । उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में मंगलवार को एक युवक पेट्रोल पंप के पास करीब 30 मीटर गहरी खाई में गिर गया। घटना की सूचना मिलते ही राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीम मौके पर पहुंची और सफल रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर युवक को सुरक्षित बाहर निकाला। घायल युवक की पहचान सुखदेव सिंह भंडारी पुत्र अवतार सिंह भंडारी, निवासी पाबो (पौड़ी गढ़वाल) के रूप में हुई है। मंगलवार सुबह एसडीआरएफ कंट्रोल रूम को घटना की सूचना मिली, जिसके बाद सहायक उप निरीक्षक हरीश बंगारी के नेतृत्व में राटूड़ा पोस्ट से टीम आवश्यक बचाव उपकरणों के साथ रवाना हुई। मौके पर पहुंचने पर टीम ने पाया कि युवक गहरी खाई

में गिरकर घायल हो गया था। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद एसडीआरएफ के जवान खाई में उतरे और सावधानीपूर्वक युवक तक पहुंचकर उसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया। रेस्क्यू के बाद घायल को प्राथमिक उपचार दिया गया तथा आगे के उपचार के लिए जिला पुलिस के माध्यम से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। एसडीआरएफ की त्वरित कार्रवाई और जवानों की सूझबूझ से युवक की जान बच गई। स्थानीय लोगों ने भी रेस्क्यू टीम के प्रयासों की सराहना की।

मानसून में केदारनाथ यात्रा पर अलर्ट

रुद्रप्रयाग । उत्तराखंड में मानसून की सक्रियता बढ़ने के साथ प्रशासन ने केदारनाथ यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं को सतर्क रहने की सलाह दी है। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने मौसम की जानकारी लेकर ही यात्रा करने की अपील की है। अब तक 12 लाख से अधिक श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन कर चुके हैं। प्रशासन भूस्खलन संभावित क्षेत्रों और यात्रा मार्ग की लगातार निगरानी कर रहा है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें अलर्ट पर हैं। श्रद्धालुओं को रेनकोट, दवाइयां और आवश्यक सामान साथ रखने तथा दिशा-निर्देशों का पालन करने की सलाह दी गई है।

भवानीपुर में हार पर हाईकोर्ट पहुंचीं ममता बनर्जी, चुनाव परिणाम को दी चुनौती

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी ने भवानीपुर विधानसभा सीट के चुनाव परिणाम को चुनौती देते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। मंगलवार को उन्होंने स्वयं अदालत पहुंचकर याचिका दायर की और चुनाव नतीजों की वैधता की न्यायिक जांच कराने की मांग की। इस सीट पर भाजपा नेता एवं वर्तमान मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने उन्हें पराजित किया था। राजनीतिक दृष्टि से इस हार को बंगाल की राजनीति में एक बड़े बदलाव के रूप में देखा जा रहा है।

अपने ही गढ़ में हार के बाद अदालत पहुंचीं ममता

2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 208 सीटों पर जीत दर्ज कर स्पष्ट बहुमत हासिल किया, जबकि टीएमसी को 80 सीटों पर संतोष करना पड़ा। चुनाव में सबसे अधिक चर्चा भवानीपुर सीट की रही, जहां ममता बनर्जी को अपने ही मजबूत गढ़ में हार का सामना करना पड़ा। भाजपा के शुभेंदु अधिकारी ने उन्हें 15,105 वोटों के अंतर से शिकस्त दी। ममता बनर्जी इससे पहले तीन बार भवानीपुर से विधायक रह चुकी हैं। ऐसे में इस सीट पर मिली हार को टीएमसी के लिए बड़ा राजनीतिक झटका माना जा रहा है। चुनाव परिणामों के बाद पार्टी के भीतर असंतोष की खबरें भी सामने आई हैं। बताया जा रहा है कि कई नेताओं और जनप्रतिनिधियों ने पार्टी नेतृत्व पर सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं, जिससे टीएमसी के सामने संगठनात्मक चुनौतियां भी खड़ी हो गई हैं।

चुनावी रिकॉर्ड सुरक्षित रखने और जांच की मांग

हाईकोर्ट में दायर याचिका में ममता बनर्जी ने भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र से जुड़े सभी चुनावी रिकॉर्ड, दस्तावेजों और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (EVM) को सुरक्षित रखने की मांग की है। उन्होंने अदालत से आग्रह किया है कि संबंधित सामग्री को तत्काल सील किया जाए ताकि किसी प्रकार की छेड़छाड़ या साक्ष्यों के नष्ट होने की संभावना न रहे। यह पहला अवसर नहीं है जब ममता बनर्जी ने चुनावी हार को अदालत में चुनौती दी हो। वर्ष 2021 में नंदीग्राम विधानसभा सीट पर शुभेंदु अधिकारी से मिली हार के बाद भी उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर मतगणना प्रक्रिया पर सवाल उठाए थे। उस मामले की कानूनी प्रक्रिया अब भी जारी है। अब भवानीपुर सीट को लेकर दाखिल नई याचिका के बाद एक बार फिर ममता बनर्जी और शुभेंदु अधिकारी के बीच चुनावी विवाद अदालत पहुंच गया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस मामले की सुनवाई आने वाले दिनों में पश्चिम बंगाल की राजनीति में नई बहस और चर्चाओं को जन्म दे सकती है। अदालत के फैसले पर अब सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

अब बिना डॉक्टर की पर्ची नहीं मिलेगी कफ सिरप

» केंद्र सरकार ने लागू किए सख्त नियम

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने खांसी की दवाओं (कफ सिरप) के दुरुपयोग पर रोक लगाने और मरीजों, विशेषकर बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बड़ा फैसला लिया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने औषधि नियम (ड्रग्स रूल्स), 1945 में संशोधन करते हुए कफ सिरप की बिक्री को लेकर नए नियम लागू कर दिए हैं। अब डॉक्टर की वैध पर्ची के बिना कफ सिरप खरीदना संभव नहीं होगा। राजपत्र अधिसूचना जीएसआर 927 (ई) के तहत किए गए संशोधन में अनुसूची 'K' से 'सिरप' शब्द को हटा दिया गया है। इसके साथ ही 1000 से कम आबादी वाले गांवों में बिना लाइसेंस के कफ सिरप बेचने की छूट भी समाप्त कर दी गई है। अब कफ सिरप केवल लाइसेंस प्राप्त मेडिकल स्टोर या फार्मेसी से ही उपलब्ध होगी। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार यह कदम कफ सिरप के अनियंत्रित उपयोग, दुरुपयोग और गुणवत्ता संबंधी जोखिमों को रोकने के लिए उठाया गया

है। हाल के वर्षों में बच्चों और युवाओं में कफ सिरप के गलत इस्तेमाल के मामलों को देखते हुए सरकार ने यह निर्णय लिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि बिना चिकित्सकीय सलाह के कफ सिरप का सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। नई व्यवस्था के तहत मरीजों को दवा की सही खुराक, उपयोग की अवधि, सावधानियों और संभावित दुष्प्रभावों की जानकारी भी मिल सकेगी। सरकार ने दवा निर्माताओं, वितरकों और विक्रेताओं को नए नियमों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए हैं। नियमों का उल्लंघन करने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह फैसला देशभर में दवाओं के जिम्मेदार वितरण और बेहतर स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

राम मंदिर चढ़ावा गबन मामले पर अखिलेश यादव का तंज

बोले- 'जब भगवान FIR दर्ज करेंगे तब क्या होगा?'

लखनऊ । अयोध्या स्थित राम मंदिर में चढ़ावे की रकम के कथित गबन और वित्तीय अनियमितताओं के मामले को लेकर समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने एक बार फिर भाजपा सरकार और मंदिर प्रबंधन पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कानूनी कार्रवाई अपनी जगह है, लेकिन यदि भगवान स्वयं एफआईआर दर्ज कर दें तो उससे कोई नहीं बच पाएगा। लखनऊ में एक कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि वर्तमान समय में राम मंदिर के चढ़ावे को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि भगवान राम के भक्त और उनके आदर्शों पर चलने वाले लोग इस पूरे प्रकरण से बेहद दुखी हैं। सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि मंदिर में आने वाली धनराशि के उपयोग को लेकर पारदर्शिता नहीं दिखाई गई और इस मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। अखिलेश यादव ने कहा, "हमारी और आपकी

कानूनी एफआईआर संविधान के तहत होती है, लेकिन जब भगवान की एफआईआर लिख जाएगी तो उसका जवाब कौन देगा?" उन्होंने दावा किया कि उन्हें जानकारी मिली है कि इस मामले में बड़ी रकम का लेन-देन हुआ है, जिससे लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। इसी दौरान उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव और इंडिया गठबंधन को लेकर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन पहले की तरह मजबूत बना रहेगा और भाजपा को हाल के चुनावों में जनता ने करारा जवाब दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा चुनावों को लेकर भ्रम फैलाने का काम कर रही है। गौरतलब है कि राम मंदिर में चढ़ावे की राशि में कथित गबन का मुद्दा सबसे पहले अखिलेश यादव ने ही उठाया था। इसके बाद यह मामला राजनीतिक रूप से गरमा गया। कांग्रेस समेत विपक्षी दलों ने भी इस मामले की उच्चस्तरीय जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

बालोतरा में दर्दनाक सड़क हादसा

एक ही परिवार के 4 सगे भाइयों की मौत, गांव में छाया मातम

बालोतरा । राजस्थान के बालोतरा जिले में मंगलवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे ने पूरे क्षेत्र को शोक में डुबो दिया। पचपदरा थाना क्षेत्र के गोलिया-परेऊ सर्किल के पास राजस्थान रोडवेज की बस और एक अल्टो कार के बीच आमने-सामने हुई जोरदार टक्कर में एक ही परिवार के चार सगे भाइयों की मौत हो गई। हादसे के बाद गांव में मातम का माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार, हादसा सुबह करीब 10 बजे उस समय हुआ जब चारों भाई अल्टो कार में सवार होकर मजदूरी के लिए जा रहे थे। इसी दौरान बाड़मेर से जोधपुर की ओर जा रही रोडवेज बस से उनकी कार की सीधी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त होकर लोहे के ढांचे में तब्दील हो गई और उसमें सवार सभी लोग बुरी तरह फंस गए। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद कार में फंसे चारों

भाइयों को बाहर निकाला गया। मृतकों की पहचान उदाराम (39), रेखाराम (35), जोगाराम (31) और विशनाराम (29) के रूप में हुई है। घायलों को तुरंत पाटौदी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां दो भाइयों को मृत घोषित कर दिया गया। गंभीर रूप से घायल दो अन्य भाइयों को बालोतरा के नाहटा अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन उन्होंने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। चारों भाई मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। रोज की तरह काम पर निकले इन भाइयों के लिए यह सफर आखिरी साबित हुआ। एक ही परिवार के चार जवान बेटों की मौत से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों का गुस्सा भी फूट पड़ा। नाराज ग्रामीणों ने परेऊ मार्ग पर पत्थर और झाड़ियां डालकर रास्ता जाम कर दिया। लोगों का आरोप था कि क्षेत्र में लगातार हो रहे सड़क हादसों के बावजूद सुरक्षा उपाय नहीं किए जा रहे हैं। बाद में पुलिस अधिकारियों के समझाने पर जाम समाप्त कराया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं तथा प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। फिलहाल चारों शवों का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

इलाज से दूर होती ज़िंदगी: चिंता बढ़ाते आंकड़े

सैम्पल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (एसआरएस) की ताज़ा रिपोर्ट देश की स्वास्थ्य व्यवस्था के सामने एक गंभीर सवाल खड़ा करती है। रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2020 के बाद भारत में औसतन हर दूसरे व्यक्ति की मृत्यु प्रशिक्षित डॉक्टर से इलाज न मिलने की स्थिति में हुई है। यह आंकड़ा केवल एक सांख्यिकीय जानकारी नहीं, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, पहुंच और गुणवत्ता पर गहरी चिंता व्यक्त करता है। वर्ष 2020 तक स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर थी। तब लगभग 18 प्रतिशत लोगों की मृत्यु बिना किसी प्रशिक्षित डॉक्टर के इलाज के होती थी, लेकिन अगले चार वर्षों में यह प्रतिशत बढ़कर 45.5 प्रतिशत तक पहुंच गया। अर्थात् लगभग आधे लोग ऐसे हैं जिन्हें मृत्यु से पहले न तो अस्पताल में उपचार मिला और न ही किसी योग्य चिकित्सक की देखरेख। यह बदलाव कई कारणों की ओर संकेत करता है। पहला, ग्रामीण और दूरदराज़ क्षेत्रों में डॉक्टरों तथा अस्पतालों की कमी। दूसरा, इलाज का लगातार महंगा होना, जिसके कारण गरीब और मध्यम वर्ग के लोग समय पर चिकित्सा नहीं ले पाते। तीसरा, मृत्यु संबंधी आंकड़ों के संकलन और रिपोर्टिंग में आई पारदर्शिता, जिससे वास्तविक स्थिति अब अधिक स्पष्ट होकर सामने आ रही है। राज्यों के आंकड़े भी गंभीर असमानता को उजागर करते हैं। बिहार में हर तीन में से दो लोगों की मृत्यु बिना किसी चिकित्सकीय उपचार के हुई। झारखंड, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तेलंगाना और ओडिशा में भी ऐसी मौतों का प्रतिशत 50 प्रतिशत से अधिक रहा। इसके विपरीत केरल में केवल हर चार में से एक व्यक्ति की मृत्यु बिना इलाज के हुई। जम्मू-कश्मीर, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, दिल्ली और मध्य प्रदेश में भी स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर पाई गई। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि स्वास्थ्य सेवाओं तक समान पहुंच अभी भी देश के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है। सरकार ने पिछले वर्षों में आयुष्मान भारत जैसी योजनाएं शुरू की हैं, लेकिन केवल बीमा सुविधा पर्याप्त नहीं है। ज़रूरत इस बात की है कि गांव-गांव तक डॉक्टर, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, दवाएं और आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं पहुंचें। साथ ही सरकारी अस्पतालों की गुणवत्ता और क्षमता में भी सुधार किया जाए। किसी भी लोकतांत्रिक और कल्याणकारी राष्ट्र की पहचान उसके नागरिकों को मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं से होती है। यदि बड़ी संख्या में लोग इलाज के अभाव में दम तोड़ रहे हैं, तो यह केवल स्वास्थ्य क्षेत्र की विफलता नहीं बल्कि सामाजिक न्याय के लिए भी चुनौती है। समय की मांग है कि सरकार, समाज और स्वास्थ्य तंत्र मिलकर इस संकट का समाधान खोजें, ताकि किसी व्यक्ति की जान केवल इसलिए न जाए कि उसे समय पर डॉक्टर या अस्पताल उपलब्ध नहीं हो सका।

आईसीएमआर बेहतर भविष्य के लिए भारत के स्वास्थ्य अनुसंधान को नए सिरे से आकार दे रहा है

आंकड़ों से आपूर्ति तक

डॉ. राजीव बहल

देश भर में पूर्वोत्तर के डिब्रूगढ़ से लेकर पश्चिम के जोधपुर तक क्षेत्रीय 'नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ रिसर्च' के नेटवर्क का निर्माण एक और अहम कदम है। ये संस्थान राज्य और जिला स्तर की स्वास्थ्य प्रणालियों के साथ मिलकर संक्रियात्मक अनुसंधान (ऑपरेशनल रिसर्च) करेंगे, ताकि जरूरी अनुसंधान और उसके नतीजों का जमीनी स्तर पर सदुपयोग सुनिश्चित किया जा सके। ये कोई मामूली बदलाव नहीं हैं, बल्कि भविष्य की जरूरतों के अनुरूप तैयार विज्ञान की दिशा में एक ऐसे रणनीतिक बदलाव का संकेत हैं जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, जीनोमिक्स और रियल-टाइम डेटा सिस्टम सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े निर्णयों में अहम भूमिका निभाते हैं। अलग-थलग रहकर काम करने के तरीके से हटकर एक आपस में जुड़े हुए राष्ट्रीय अनुसंधान इकोसिस्टम की दिशा में बढ़ना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। अब संस्थानों को ऐसे रिसोर्स सेंटरों के तौर पर देखा जा रहा है जो एक साझा राष्ट्रीय मिशन में योगदान दें और किसी एक स्थान पर मिले साक्ष्यों का उपयोग पूरे देश में कार्रवाई के लिए किया जाना सुनिश्चित करें। प्रणालीगत-स्तर की यह सोच एक ऐसे दौर में बेहद जरूरी है जब स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां चाहे वे रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस) या ...

अब जबकि देश 'विकसित भारत 2047' के सपने को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, हमारे सामने सवाल सिर्फ बीमारियों का इलाज करने के तरीकों का नहीं, बल्कि भविष्य की जरूरतों का अनुमान लगा लेने वाली एक ऐसी स्वास्थ्य प्रणाली के निर्माण का भी है जो सबके लिए न्यायसंगत और नई सोच पर आधारित हो। इस बदलाव के केन्द्र में स्वास्थ्य अनुसंधान का एक ऐसा नया दृष्टिकोण है, जो आंकड़ों (डेटा) को निर्णयों से और फिर निर्णयों को प्रभाव से जोड़ता है। कोविड-19 महामारी से मिले कठोर अनुभवों से सीख लेते हुए, जैव-चिकित्सा अनुसंधान (बायोमेडिकल रिसर्च) की देश की शीर्ष संस्था, इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) ने भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कई सुधार किए हैं। इन सुधारों में संस्थागत ढांचे को नए सिरे से तैयार करने से लेकर अनुसंधान के लिए फंड देने और उसे असरदार नतीजों में बदलने के तरीकों को ठोस बनाना शामिल है। जो प्रणाली कभी बिखरी हुई और जांचकर्ताओं की पूछताछ पर टिकी थी, वह अब तकनीक द्वारा संचालित और लक्ष्यों पर केन्द्रित एक इकोसिस्टम में बदल रही है। यह बदलाव महज प्रशासनिक नहीं, बल्कि दार्शनिक भी है।

यह राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप, संस्थान-आधारित समन्वित अनुसंधान की दिशा में एक ऐसी सोची-समझी पहल को दर्शाता है, जहां विज्ञान का उद्देश्य सिर्फ ज्ञान का सृजन करना नहीं बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य की गंभीर चुनौतियों का समाधान करना भी है। इस बदलाव का एक मुख्य आधार आईसीएमआर के संस्थागत ढांचे का पुनर्गठन है। हालिया सुधारों ने कई संस्थानों के दायित्वों को बढ़ाया है और उन्हें सीमित दायरे वाली इकाइयों के बजाय अंतर-विषयक केन्द्रों के रूप में नई पहचान दी है। डिजिटल हेल्थ एवं डेटा साइंस, बच्चों की सेहत, महिलाओं की सेहत, और खून व प्रतिरक्षा प्रणाली से जुड़ी बीमारियों जैसे क्षेत्रों की ओर संस्थानों का झुकाव, भारत में बीमारियों के बदलते स्वरूप और तकनीकी क्षमताओं को दर्शाता है। देश भर में पूर्वोत्तर के डिब्रूगढ़ से लेकर पश्चिम के जोधपुर तक क्षेत्रीय 'नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ रिसर्च' के नेटवर्क का निर्माण एक और अहम कदम है। ये संस्थान राज्य और जिला स्तर की स्वास्थ्य प्रणालियों के साथ मिलकर संक्रियात्मक अनुसंधान (ऑपरेशनल रिसर्च) करेंगे, ताकि जरूरी अनुसंधान और उसके नतीजों का जमीनी स्तर पर सदुपयोग सुनिश्चित किया जा सके। ये कोई मामूली बदलाव नहीं हैं, बल्कि भविष्य की जरूरतों के अनुरूप तैयार विज्ञान की दिशा में एक ऐसे रणनीतिक बदलाव का संकेत हैं जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, जीनोमिक्स और रियल-टाइम डेटा सिस्टम सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े निर्णयों में अहम भूमिका निभाते हैं। अलग-थलग रहकर काम करने के तरीके से हटकर एक आपस में जुड़े हुए राष्ट्रीय अनुसंधान इकोसिस्टम की दिशा में बढ़ना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। अब संस्थानों को ऐसे रिसोर्स सेंटरों के तौर पर देखा जा रहा है जो एक साझा राष्ट्रीय मिशन में योगदान दें और किसी एक स्थान पर मिले साक्ष्यों का उपयोग पूरे देश में कार्रवाई के लिए किया जाना सुनिश्चित करें। प्रणालीगत-स्तर की यह सोच एक ऐसे दौर में बेहद जरूरी है जब स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां चाहे वे रोगाणुरोधी प्रतिरोध

(एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस) या महामारी या फिर गैर-संचारी रोगों से जुड़ी हों जटिल और आपस में जुड़ी हुई हैं। संस्थागत सुधारों के साथ-साथ, अनुसंधान से संबंधित फंडिंग इकोसिस्टम को बुनियादी तौर पर फिर से तैयार करना भी जरूरी है। फंडिंग के तरीके की दृष्टि से, आंतरिक (इंट्रा-म्यूरल) और बाह्य (एक्स्ट्रा-म्यूरल) अनुसंधान के बीच का विभाजन बिल्कुल साफ है। लेकिन साथ ही, उन्हें एक अपेक्षाकृत अधिक एकजुट और नतीजे पर केन्द्रित ढांचे के जरिए जोड़ा जाता है। आंतरिक अनुसंधान (इंट्राम्यूरल रिसर्च) अब मुख्य रूप से संस्थान की पहल पर की जाती है। यह स्पष्ट रूप से तय लक्ष्यों के अनुरूप होती है और अनुसंधान के नतीजों को असल इस्तेमाल में लाने की प्रक्रिया को तेज करने के लिए इसे एक तय समय-सीमा के भीतर व्यवस्थित किया जाता है। दूसरी ओर, बाह्य अनुसंधान (एक्स्ट्रा-म्यूरल रिसर्च) को चार चरणों वाले नवाचार चक्र - विवरण, खोज, विकास और आपूर्ति - में फिर से व्यवस्थित किया गया है। इससे अच्छे विचारों को व्यवस्थित तरीके से ऐसे समाधानों में बदला जाना सुनिश्चित होता है, जिन्हें बड़े पैमाने पर लागू किया जा सके। प्रयोगशाला में की गई खोज से लेकर आम लोगों तक सेवा पहुंचाने तक की यह समन्वित प्रक्रिया, परियोजनाओं को फंड देने के बजाय समाधान तैयार करने की दिशा में एक अहम बदलाव है। इसे 'नेशनल हेल्थ रिसर्च प्रोग्राम' (एनएचआरपी) से और मजबूती मिलती है। इस कार्यक्रम ने रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस) एवं क्षय रोग से लेकर मानसिक स्वास्थ्य, पोषण और आपातकालीन देखभाल (इमरजेंसी केयर) जैसे तेरह प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान की है। मिशन-मोड वाले ये कार्यक्रम वैसे विविध संस्थानों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बनाए गए हैं, जिन्हें बड़े निवेश और असल नतीजों पर साफ फोकस का समर्थन हासिल है। तकनीक भी परिवर्तनकारी भूमिका निभा रही है। डायग्नोस्टिक्स, निगरानी और कार्यक्रम को लागू करने की प्रक्रिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को शामिल करने से शहरी और ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं के बीच लंबे समय से चली आ रही खाई को पाटने में मदद मिल रही है। जहां क्षय रोग (टीबी) और डायबिटिक रेटिनोपैथी की जांच में एआई-आधारित उपकरण पहले से ही अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की मदद कर रहे हैं, वहीं एआई-संचालित पोषण संबंधी निगरानी (न्यूट्रिशनल मॉनिटरिंग) जैसे रचनात्मक कदम बड़े पैमाने पर कार्यक्रम के कार्यान्वयन को बेहतर बना रहे हैं। टीके (वैक्सीन) पहुंचाने से शुरू हुई और अब कॉर्निया जैसी जरूरी चिकित्सीय आपूर्ति सुनिश्चित करने की विस्तारित भूमिका निभाने वाली 'आई-ड्रोन' पहल, इस बात को दर्शाती है कि कैसे आधुनिक तकनीक भौगोलिक बाधाओं को पार करके समुदायों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचा सकती है।

डिजिटल पंचायत

बलकार सिंह

ई-गवर्नेंस पुरस्कार से दिखी गांवों की बदलती तस्वीर

भारत के लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति उसकी पंचायतों में निहित है। संविधान के 73वें संशोधन ने जिस पंचायती राज व्यवस्था को संवैधानिक आधार प्रदान किया था, आज वही व्यवस्था डिजिटल तकनीक, डेटा आधारित निर्णय और नागरिक-केंद्रित सेवाओं के माध्यम से विकास की नई इबारत लिख रही है। राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 के परिणाम इस परिवर्तन के सशक्त प्रमाण हैं। इन पुरस्कारों ने न केवल पंचायतों की उपलब्धियों को राष्ट्रीय पहचान दी है, बल्कि यह भी सिद्ध किया है कि विकसित भारत 2047 का सपना गांवों की भागीदारी के बिना साकार नहीं हो सकता। पंचायती राज मंत्रालय की चार पहलों का राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 के लिए चयनित होना अपने आप में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह केवल तकनीक के उपयोग का सम्मान नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और प्रभावी बनाने के प्रयासों की स्वीकृति है। यह पहल देशभर की ग्राम पंचायतों के विकास प्रदर्शन का वैज्ञानिक और डेटा-आधारित मूल्यांकन करती है। स्थानीय सतत विकास लक्ष्यों के नौ विषयों पर आधारित यह सूचकांक पंचायतों को केवल योजनाओं के क्रियान्वयन तक सीमित नहीं रखता, बल्कि उन्हें परिणामोन्मुख शासन की ओर प्रेरित करता है। यह पहली बार है जब ग्राम पंचायतों के विकास को इतने व्यापक और तथ्यपरक तरीके से मापा जा रहा है। डेटा आधारित शासन की यह संस्कृति आने वाले समय में ग्रामीण प्रशासन की दिशा और दशा दोनों बदल सकती है। राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 में महाराष्ट्र के सांगली जिले की कादेपुर ग्राम पंचायत का स्वर्ण पुरस्कार जीतना विशेष रूप से प्रेरणादायक है। यह पंचायत आज डिजिटल भारत की वास्तविक तस्वीर प्रस्तुत करती है। यहां 4,300 से अधिक लाभार्थियों को 1,355 से अधिक सेवाएं पूर्णतः ऑनलाइन उपलब्ध कराई जा रही हैं। पूरी पंचायत कागज रहित ई-ऑफिस प्रणाली पर कार्य कर रही है। आठ एआई-संचालित प्रशासनिक अनुप्रयोग, ब्लॉकचेन आधारित रिकॉर्ड प्रबंधन और जीआईएस आधारित संपत्ति जियो-टैगिंग जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग यह दर्शाता है कि तकनीकी नवाचार केवल महानगरों तक सीमित नहीं है। कादेपुर देश की एकमात्र ग्राम पंचायत है जिसके पास कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ब्लॉकचेन, नैनो तकनीक, जैव प्रौद्योगिकी और रोबोटिक्स पर औपचारिक रूप से स्वीकृत नीतियां हैं। यह उपलब्धि बताती है कि यदि नेतृत्व दूरदर्शी हो तो गांव भी वैश्विक स्तर की तकनीकी प्रयोगशाला बन सकते हैं। इसी प्रकार त्रिपुरा की बिजॉय नगर ग्राम पंचायत ने रजत पुरस्कार प्राप्त कर यह सिद्ध किया है कि डिजिटल परिवर्तन केवल तकनीक का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक भागीदारी का भी विषय है। इस पंचायत ने सहभागी शासन, वित्तीय जवाबदेही और डिजिटल समावेशन का उत्कृष्ट मॉडल प्रस्तुत किया है। पंचायत उन्नति सूचकांक में इसका स्कोर 88.55 तक पहुंच गया है, जो पिछले संस्करण की तुलना में 38 प्रतिशत अधिक है। सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि महिलाओं में 100 प्रतिशत डिजिटल साक्षरता प्राप्त करना है। यह उदाहरण बताता है कि जब तकनीक समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचती है, तभी उसका वास्तविक उद्देश्य पूरा होता है। महाराष्ट्र के नंदुरबार जिला परिषद की 'ई-आरोग्य धामनी' पहल को मिला स्वर्ण पुरस्कार ई-गवर्नेंस की सामाजिक उपयोगिता को रेखांकित करता है। आदिवासी और दूरस्थ क्षेत्रों में डिजिटल माध्यमों से गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना आसान कार्य नहीं है। इस पहल ने सिद्ध किया है कि तकनीक का सर्वोत्तम उपयोग तभी है जब वह उन लोगों तक पहुंचे जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है। पंचायत उन्नति सूचकांक, कादेपुर, बिजॉय नगर और ई-आरोग्य धामनी जैसी पहलें दिखाती हैं कि गांवों में परिवर्तन की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। महात्मा गांधी ने ग्राम स्वराज का जो सपना देखा था, वह आत्मनिर्भरता, पारदर्शिता और जनभागीदारी पर आधारित था। आज डिजिटल तकनीक उस स्वप्न को आधुनिक स्वरूप प्रदान कर रही है। यदि देश की पंचायतें इसी प्रकार तकनीक को जनकल्याण का माध्यम बनाती रहीं, तो विकसित भारत 2047 केवल एक लक्ष्य नहीं, बल्कि एक साकार होती हुई वास्तविकता बन जाएगा। राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 ने यह साबित कर दिया है कि भारत की विकास यात्रा की सबसे मजबूत नींव गांवों में ही रखी जा रही है और डिजिटल पंचायतें ही भविष्य के भारत की नई पहचान बनने जा रही हैं।

(लेखक इग्नू में सहायक प्रोफेसर हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

भजन ही शरीर का प्राण

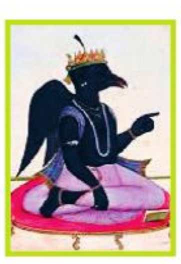

संकलित

दर्शन

काकभुशुंडि जी कहते हैं, मेरे इस भाव परिवर्तन से मेरे परमकृपालु सदाशिव विश्वनाथ मुझ पर और भी अधिक प्रसन्न हो गए। उन्हें लगा कि मेरे इस भक्त (काकभुशुंडि) का प्रवेश मेरे हृदय में हो गया है और इसने देख लिया कि मेरे इष्ट तो बालक राम हैं, जो अयोध्या में दशरथ के अजिर में मालपुआ लेकर घूमते रहते हैं। काकभुशुंडि जी हमें और आपको यह बताना चाहते हैं कि जब उन्होंने कौआ होकर भी भगवान को पा लिया तो हम लोगों के भाग्य के लिए तो शब्द ही नहीं हैं। प्रभु श्रीरामचंद्र जी ने स्वयं भी समस्त चराचर के कल्याण के लिए मनुष्य का ही शरीर धारण कर लिया है। वे कहते हैं कि इस शरीर को पाने का मात्र एक ही लाभ है कि व्यक्ति भगवान का भजन करे। भक्त काकभुशुंडि ने मनुष्य शरीर से भजन करने के प्रताप और फल को बताते हुए कहा कि ज्ञानी ऋषि लोमश ने मेरे अंदर भक्ति के प्रति पक्षपात देखकर भले ही मुझे अपनी दृष्टि से कौआ बनने का शाप दिया था, पर वह मेरे लिए वरदान हो गया। महत्व इसका नहीं है कि हम किस शरीर, किस देश, किस जाति और धर्म के हैं। काकभुशुंडि जी कहते हैं कि महत्वपूर्ण यह है कि हम भगवान की भक्ति और भजन कर रहे हैं या नहीं? भजन ही शरीर का प्राण है। गोस्वामी जी ने इस बात पर जोर दिया है कि जिसने इस धरा पर जन्म लेकर भगवान का भजन कर लिया, बस वही धन्य है। उसी की विजय होती है, वही संसार में सबके प्रति विनयी होता है, वही गुणों की खान होता है और सारे विश्व में उसी का यश त्रैलोक्य में उजागर होता है।

ईश्वर बहुत दयालु है

संकलित

प्रेरणा

एक राजा का एक विशाल फलों का बगीचा था, उसमें तरह-तरह के फल होते थे और उस बगीचा की सारी देखरेख एक किसान अपने परिवार के साथ करता था। वह किसान हर दिन बगीचे के ताज़े फल लेकर राजा के राजमहल में जाता था। एक दिन किसान ने पेड़ों पे देखा नारियल, अमरुद, बेर, और अंगूर पक कर तैयार हो रहे हैं, किसान सोचने लगा आज कौन सा फल महाराज को अर्पित करूँ। फिर उसे लगा अँगूर करने चाहिए, क्योंकि वो तैयार हैं। इसलिए उसने अंगूरों की टोकरी भर ली और राजा को देने चल पड़ा! किसान राजमहल में पहुंचा, राजा किसी दूसरे ख्याल में खोया हुआ था और नाराज भी लग रहा था। किसान रोज की तरह मीठे रसीले अंगूरों की टोकरी राजा के सामने रख दी और थोड़े दूर बैठ गया। अब राजा उसी ख्यालों-ख्यालों में टोकरी में से अंगूर उठाता एक खाता और एक खींच कर किसान के माथे पे निशाना साधकर फेंक देता। राजा का अंगूर जब भी किसान के माथे या शरीर पर लगता था तो किसान कहता था, ईश्वर बड़ा दयालु है। राजा फिर और जोर से अंगूर फेकता था, किसान फिर वही कहता था, ईश्वर बड़ा दयालु है। थोड़ी देर बाद राजा को एहसास हुआ कि वो क्या कर रहा है और प्रत्युत्तर क्या आ रहा है, वो सम्भल कर बैठा। उसने किसान से कहा, मै तुझे बार-बार अंगूर मार रहा हूँ और ये अंगूर तुम्हे लग भी रहे हैं, फिर भी तुम यह बार-बार क्यों कह रहे हो कि ईश्वर बड़ा दयालु है।

अंतर्मन

आज की पाती

बढ़ती असहिष्णुता

राजधानी रायपुर में मामूली विवाद से शुरू हुआ झगड़ा हत्या तक पहुंच रहा है। ऐसी घटनाएं समाज में बढ़ती असहिष्णुता, गुस्से और संवाद की कमी की गंभीर समस्या को उजागर करती है। आज देशभर में छोटी-छोटी बातों पर हिंसा, मारपीट और हत्याओं की घटनाएं बढ़ती दिखाई दे रही हैं। इसके पीछे घटता धैर्य, बढ़ता तनाव, नशे का दुरुपयोग, सोशल मीडिया पर भड़काऊ सामग्री और न्याय प्रक्रिया में देरी जैसे कई कारण जिम्मेदार माने जा सकते हैं। हालांकि कानून कमजोर नहीं है। भारतीय न्याय संहिता हत्या, दंगा और हिंसा के लिए कड़े दंड का प्रावधान करती है। चुनौती कानूनों की कमी नहीं, बल्कि उनके प्रति सम्मान और सामाजिक मूल्यों को मजबूत करने की है।

- सुधीर यादव, रायपुर

ट्रेंड

भारत-स्लोवाकिया दोस्ती

प्रधानमंत्री फिको के साथ बहुत अच्छी बैठक हुई। भारत-स्लोवाकिया दोस्ती के लिए यह एक बहुत खास पल है। ऑटोमोबाइल, रेलवे, एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग और ग्रीन टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा हुई।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

जीवन में ठोस सुधार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में,पिछले 12 वर्षों में टैक्स में राहत, मेट्रो नेटवर्क के विस्तार, आधुनिक कनेक्टिविटी और 'ईज ऑफ लिविंग' (जीवन को आसान बनाने) पर लगातार ध्यान दिए जाने से भारत के मध्यम वर्ग के जीवन में ठोस सुधार आए हैं।

- **रेखा गुप्ता**, सीएम, नई दिल्ली

ईडी पार्टी जिम्मेदार

ईडी पार्टी के अधिकारी खुद पंजाब में ड्रग्स बेचते हुए पकड़े गए। क्या उसके तार ड्रग्स से जुड़े हैं? आज पंजाब में 70% ड्रग्स गुजरात के रास्तों से आ रही है। पंजाब के युवाओं को बर्बाद करने के लिए ईडी पार्टी और 'चिट्टा पार्टी' ज़िम्मेदार है।

-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

मातृभूमि की नई कहानी

नफरत के कांटे बहुत बढ़ गए हैं, अब 'फूलों का मौसम' लाने का समय आ गया है। 'प्यार, करुणा और अपनापन' लेकर हमें हर गांव और गली तक पहुंचना है। मिलकर, हम सभी को अपनी मातृभूमि की एक नई कहानी लिखनी है।

-अखिलेश यादव, सांसद, सपा

रॉयल पत्रिका

करंट अफेयर

पिचाई के भाषण में छात्रों ने लहराए फलस्तीन झंडे

अमेरिका के स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में गूगल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुंदर पिचाई के संबोधन के दौरान फलस्तीन समर्थक कई छात्रों ने बहिर्गमन किया और झंडे लहराए। स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय से 'मैटीरियल साइंस एंड इंजीनियरिंग' में मास्टर ऑफ साइंस (एमएस) की डिग्री प्राप्त कर चुके पिचाई रविवार को वर्ष 2026 की कक्षा को संबोधित करने के लिए अपने पूर्व शिक्षण संस्थान लौटे थे। 'स्टैनफोर्ड रिपोर्ट' के अनुसार विश्वविद्यालय के 135वें दीक्षांत समारोह में 3,600 छात्रों सहित 20,000 से अधिक लोगों ने भाग लिया। 'एसएफगेट' की एक खबर में कहा गया है कि पिचाई द्वारा छात्रों, शिक्षकों, अभिभावकों और अन्य उपस्थित लोगों को संबोधित किए जाने के दौरान लगभग 200 छात्र समारोह स्थल से बाहर चले गए। खबर के अनुसार, दर्शक दीर्घा में मौजूद कुछ समूहों ने बैनर और फलस्तीनी झंडे लहराए तथा सीटी बजाई। बाद में वे भाषण के बीच में ही बाहर निकल गए। खबर में कहा गया कि फलस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारियों ने इजराइल सरकार के साथ गूगल के संबंधों, विशेष रूप से वर्ष 2021 में हुए 1.2 अरब अमेरिकी डॉलर के क्लाउड कंप्यूटिंग समझौते 'प्रोजेक्ट निम्बस' का विरोध किया।

ऑफ बीट

भोजन के साथ आपके संबंध कैसे हैं

क्या आप अपने शरीर के संकेतों को समझते हैं, जिसका अर्थ है कि आपको पता है कि आपको कब भूख लगी है, कब नहीं और कब पेट भरा हुआ महसूस हो रहा है? सभी खाद्य समूहों में नियमित अंतराल पर उचित मात्रा और विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थ खा रहे हैं ताकि आपकी पोषक तत्व, स्वास्थ्य और कल्याण संबंधी ज़रूरतें पूरी हों? दूसरों के साथ खाना और अकेले खाना भी आरामदायक है? क्या आप भोजन का आनंद लेने में सक्षम हैं, यदि आपको अधिक जवाब हां में नहीं मिले, तो आपको भोजन के साथ अपने रिश्ते को बेहतर बनाने पर काम करने की आवश्यकता हो सकती है। समस्या यह है कि यह मस्तिष्क के पुरस्कार केंद्र को ट्रिगर करता है, जिसका अर्थ है कि यद्यपि आप बेहतर महसूस करते हैं, यह व्यवहार प्रबल हो जाता है, इसलिए नकारात्मक भावनाओं के जवाब में आपके खाते रहने की संभावना अधिक होती है। भावनात्मक खान-पान और अनियंत्रित खान-पान की प्रवृत्ति खाने के विकार के लक्षणों और खराब गुणवत्ता वाले आहार से जुड़ी होने की अधिक संभावना है, जिसमें सब्जियों का कम सेवन और कम पोषक तत्वों वाले खाद्य पदार्थों का अधिक सेवन शामिल है।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास का ग्रामीण सेवा शिविर का औचक निरीक्षण

-जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने मंगलवार को जयपुर जिले की बस्सी पंचायत समिति अंतर्गत मानगढ़ खोखावाला ग्राम पंचायत में आयोजित "ग्रामीण सेवा शिविर-2026" का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की और अधिकारियों को जनसमस्याओं के त्वरित एवं पारदर्शी निस्तारण के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान मुख्य सचिव ने राजस्व विभाग सहित शिविर में भाग ले रहे 21 विभागों के काउंटरों का अवलोकन किया। जिला प्रशासन ने उन्हें शिविर में प्राप्त शिकायतों तथा मौके पर किए गए समाधान की जानकारी दी। प्रशासन के अनुसार राजस्व अभिलेखों के शुद्धिकरण, नामांतरण, अतिक्रमण संबंधी मामलों और आबादी विस्तार के लिए पट्टों के वितरण जैसे कई लंबित मामलों का समाधान किया गया।

शिविर में विभिन्न विभागों ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं। पंचायती राज विभाग ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत 10 नए व्यक्तिगत शौचालयों और सामुदायिक स्वच्छता परिसरों की स्वीकृति जारी की। वहीं जयपुर विद्युत वितरण निगम (JVVNL) ने विद्युत लाइनों और पोलों से जुड़ी शिकायतों का निस्तारण किया, जबकि जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (PHED) ने प्रभावित क्षेत्रों में टैंकरों के माध्यम से पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की।

ग्रामीण विकास विभाग के तहत महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए नए स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया और उनके बैंक खाते खुलवाए गए। मुख्य सचिव ने शिविर में 6 पात्र लाभार्थियों को आवासीय पट्टे वितरित किए। इसके अलावा प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत मृतक बीमाधारकों के आश्रितों को 2 लाख रुपये के चेक प्रदान किए गए तथा मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत एक विधवा महिला को 31 हजार रुपये की सहायता स्वीकृत दी गई।

मुख्य सचिव ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविर में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की समस्या का उसी दिन समाधान किया जाए। उन्होंने सभी विभागों को सरकारी योजनाओं की शत-प्रतिशत संतृप्ति सुनिश्चित करने तथा अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने के लिए संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

ब्रीफ खबरें

28 जून को होगा पल्स पोलियो अभियान

5 साल तक के बच्चों को पिलाई जाएगी खुराक

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के तहत 28 जून को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान की तैयारियों को लेकर मंगलवार को स्टेट टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. जोगाराम ने की। बैठक में सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ अभियान को सफल बनाने के निर्देश दिए गए। डॉ. जोगाराम ने कहा कि प्रदेश में 5 वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की खुराक पिलाना सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने और प्रचार-प्रसार बढ़ाने के निर्देश दिए गए ताकि कोई भी बच्चा पोलियो की दवा से वंचित न रहे। उन्होंने कार्मिकों के प्रशिक्षण, जिलों में आवश्यक व्यवस्थाओं तथा अभियान की निगरानी के लिए गठित समितियों की नियमित बैठकें आयोजित करने पर भी जोर दिया। निदेशक आरसीएच डॉ. मधु रतेश्वर ने बताया कि पड़ोसी देशों में पोलियो के मामले सामने आने के बाद एहतियात के तौर पर प्रदेशभर में 5 साल तक की उम्र के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक दी जाएगी। बैठक में नियमित टीकाकरण कार्यक्रम और एचपीवी टीकाकरण अभियान की प्रगति की भी समीक्षा की गई। बैठक में एनएचएम, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, सूचना एवं जनसंपर्क, पंचायती राज विभाग सहित डब्ल्यूएचओ, यूनिसेफ और अन्य सहयोगी संस्थाओं के अधिकारी मौजूद रहे।

21 जून को आयोजित होगी RE-NEET (UG) 2026 परीक्षा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) नई दिल्ली द्वारा आयोजित RE-NEET (UG) 2026 परीक्षा का आयोजन 21 जून 2026 (रविवार) को दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:15 बजे तक जयपुर जिले के निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर किया जाएगा। परीक्षा के सफल, निष्पक्ष एवं सुचारू संचालन के लिए जिला प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारियाँ सुनिश्चित की गई हैं। जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट संदेश नायक ने बताया कि परीक्षा केन्द्रों पर सुरक्षा व्यवस्था, कानून व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, गोपनीय परीक्षा सामग्री के सुरक्षित वितरण एवं संग्रहण सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की जाएंगी। परीक्षा केन्द्रों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की जाएगी तथा अभ्यर्थियों की संख्या के अनुसार सुरक्षा कर्मियों की नियुक्ति की गई है। उन्होंने बताया कि परीक्षा दिवस पर अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर मेडिकल स्टाफ, प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड) तथा ओआरएस की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। आवश्यकता अनुसार एम्बुलेंस एवं अन्य चिकित्सा सुविधाएँ भी उपलब्ध रहेंगी। रोडवेज, रेलवे, जेसीटीएसएल एवं जयपुर मेट्रो को अभ्यर्थियों के आवागमन हेतु पर्याप्त परिवहन सुविधाएँ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं परीक्षा केन्द्रों के निरीक्षण एवं समन्वय के लिए सिटी को-ऑर्डिनेटर द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाओं की सतत निगरानी की जाएगी। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग को परीक्षा से संबंधित भ्रामक सूचनाओं, अफवाहों एवं नकल जैसी गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाने हेतु आवश्यक प्रचार-प्रसार एवं जनजागरूकता गतिविधियाँ संचालित करने को कहा गया है। जिला प्रशासन ने सभी संबंधित विभागों को राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने तथा परीक्षा के शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी संचालन हेतु समन्वित रूप से कार्य करने के निर्देश प्रदान किए हैं।

इंडिया स्टोनमार्ट 2028 के लिए त्रि-पक्षीय एमओयू, राजस्थान को वैश्विक स्टोन हब बनाने पर जोर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान को पत्थर उद्योग के क्षेत्र में वैश्विक पहचान दिलाने और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। इंडिया स्टोनमार्ट 2028 के आयोजन के लिए राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं विनियोजन निगम (रीको), सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ स्टोन्स (सिडोस) और लघु उद्योग भारती के बीच मंगलवार को त्रि-पक्षीय एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। जयपुर के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आयोजित कार्यक्रम में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, उद्योग राज्यमंत्री के.के. विश्नोई, अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल, रीको एमडी सुरेश ओला सहित उद्योग जगत के कई प्रतिनिधि मौजूद रहे। इस अवसर पर कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार राजस्थान

को देश का प्रमुख औद्योगिक हब बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि इंडिया स्टोनमार्ट 2026 की सफलता को देखते हुए वर्ष 2028 के आयोजन को और अधिक भव्य एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाया जाएगा। इसके लिए अभी से तैयारियां शुरू करने और दुनिया भर के उद्यमियों, निवेशकों तथा आर्किटेक्ट्स को जोड़ने पर जोर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्टोनमार्ट 2028 में अधिक से अधिक देशों की भागीदारी, रिकॉर्ड विदेशी खरीददारी, वैश्विक निवेशकों की मौजूदगी, आधुनिक तकनीक और स्टार्टअप्स को विशेष महत्व दिया जाएगा। साथ ही चीन, इटली और लंदन जैसे देशों में आयोजित होने वाली स्टोन प्रदर्शनियों के सफल मॉडल का भी अध्ययन किया जाएगा। कर्नल राठौड़ ने कहा कि सिडोस की तकनीकी विशेषज्ञता, रीको के मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर और लघु उद्योग भारती के एमएसएमई नेटवर्क का यह संगम स्टोन उद्योग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगा। इससे राजस्थान के प्राकृतिक पत्थरों को वैश्विक बाजार में और मजबूत पहचान मिलेगी। उद्योग राज्यमंत्री के.के. विश्नोई ने कहा कि राज्य सरकार निवेश को बढ़ावा देने के लिए लगातार नई नीतियां लागू कर रही है। उन्होंने बताया कि राजस्थान में जल्द ही सेमीकंडक्टर चिप निर्माण भी शुरू होने की संभावना है, जिससे औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी। गौरतलब है कि 14वां इंडिया स्टोनमार्ट 17 से 20 फरवरी 2028 तक आयोजित होगा। पिछले संस्करण में 450 प्रदर्शकों, 58 देशों के प्रतिनिधियों और 27 हजार से अधिक आगंतुकों की भागीदारी ने इसे वैश्विक स्तर का व्यापारिक मंच बना दिया था।

नगर निगम ने मालवीय नगर और दुर्गापुरा से हटवाया अतिक्रमण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर आयुक्त ओम कसेरा के निर्देशानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में मंगलवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में चीलगाड़ी रेस्टोरेन्ट के सामने, एचएमएनआईटी के पास मालवीय नगर, दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध कार्यवाई कर 2 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में चीलगाड़ी रेस्टोरेन्ट के सामने, एचएमएनआईटी के पास मालवीय नगर, दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 2 केन्टर सामान जब्त कर गौदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों को सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाते हुये पाबंद करवाया कि समय से अस्थाई अतिक्रमण हटाले अन्यथा नगर निगम जयपुर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्यवाई अमल में लाई जायेगी।

अग्नि सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर नगर निगम की बड़ी कार्रवाई

-चार प्रतिष्ठान 180 दिनों के लिए सीज

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर ने अग्नि सुरक्षा मानकों की अवहेलना करने वाले प्रतिष्ठानों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। नगर निगम आयुक्त ओम कसेरा के निर्देश पर अग्निशमन शाखा की टीम ने शहर के चार प्रतिष्ठानों एवं संस्थानों को 180 दिनों के लिए सीज कर दिया है। यह कार्रवाई जनहित, मानव जीवन और संपत्ति की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए की गई है।

उपायुक्त (फायर) प्रवीण कुमार के नेतृत्व तथा मुख्य अग्निशमन अधिकारी गौत्तमलाल की टीम द्वारा किए गए निरीक्षण के दौरान पाया गया कि गोपालपुरा बाईपास रोड स्थित कोटिल्य क्लासेस में आवश्यक अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं का अभाव था और संस्थान के पास वैध फायर एनओसी भी उपलब्ध नहीं थी। निगम द्वारा पूर्व में नोटिस जारी कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन निर्धारित समयावधि में अनुपालना नहीं की गई। इसी

प्रकार अग्नि सुरक्षा मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर शिवालय क्लासेस (गोपालपुरा बाईपास रोड), KIBANA Restaurants and Banquets (मानसरोवर) तथा रॉयल रजवाड़ा रेस्टोरेंट (आमेर रोड) के खिलाफ भी कार्रवाई करते हुए इन्हें 180 दिनों अथवा सक्षम प्राधिकारी के अगले आदेश तक सीज कर दिया गया। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार निरीक्षण में पाया गया कि इन संस्थानों में पर्याप्त अग्निशमन उपकरण, आपातकालीन निकास व्यवस्था और अन्य जरूरी सुरक्षा प्रबंध उपलब्ध नहीं थे। ऐसी स्थिति में किसी भी आपातकालीन घटना के दौरान बड़ी जनहानि की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता था।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी गौत्तमलाल ने बताया कि सभी संस्थानों को पूर्व में फायर एनओसी प्राप्त करने और सुरक्षा मानकों की पालना के लिए पर्याप्त समय दिया गया था, लेकिन नियमों की अनदेखी जारी रही। इसके बाद राजस्थान नगरपालिकाएं अधिनियम, 2009 की धारा 194(7)(एफ) के तहत कार्रवाई की गई।

नगर निगम आयुक्त ओम कसेरा ने शहर के सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, कोचिंग संस्थानों, होटल, रेस्टोरेंट और सार्वजनिक भवन संचालकों से अग्नि सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने तथा समय पर फायर एनओसी प्राप्त करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा सर्वोपरि है और नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ भविष्य में भी इसी तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त बनाने के लिए मिले महत्वपूर्ण सुझाव, अरुण चतुर्वेदी ने किया संवाद

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सप्तम राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी की अध्यक्षता में मंगलवार को पंचायती राज संस्थाओं के जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पंचायतों की वित्तीय आवश्यकताओं, विकास कार्यों और स्थानीय समस्याओं से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

संवाद के दौरान जनप्रतिनिधियों ने सुझाव दिया कि ग्राम पंचायतों को वित्तीय आवंटन वर्ष 2011 की जनगणना के बजाय नई जनगणना के आंकड़ों के आधार पर किया जाना चाहिए, क्योंकि पिछले वर्षों में जनसंख्या में काफी बदलाव आया है। इसके अलावा राज्य वित्त आयोग (एसएफसी) अनुदान की पहली किश्त में 80 प्रतिशत राशि जारी करने और शेष राशि बाद में देने का सुझाव भी रखा गया, ताकि विकास कार्यों में वित्तीय बाधा न आए।

बैठक में ग्राम पंचायतों में सफाई व्यवस्था को मजबूत करने के लिए अलग से सफाई कर्मियों की नियुक्ति, स्ट्रीट लाइटों के लिए सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने तथा आधारभूत ढांचे के रख-रखाव और मरम्मत कार्यों के लिए अलग अनुदान उपलब्ध कराने की मांग भी उठी। जनप्रतिनिधियों ने स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार विकास निधि के उपयोग की अधिक स्वतंत्रता देने पर भी जोर दिया।संवाद के दौरान माध्यमिक विद्यालयों को भी वित्तीय सहायता देने, पंचायत स्तर पर बढ़ते अतिक्रमण की रोकथाम के लिए प्रभावी प्रवर्तन एजेंसी गठित करने तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाली ओडीएफ ग्राम पंचायतों को प्रोत्साहन राशि देने जैसे महत्वपूर्ण सुझाव भी सामने आए।मीडिया से बातचीत में आयोग अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी ने कहा कि जनप्रतिनिधियों द्वारा दिए गए सुझाव जमीनी अनुभवों पर आधारित हैं और आयोग के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सभी सुझावों का गंभीरता से अध्ययन कर उन्हें आयोग की अनुशंसाओं में शामिल करने पर विचार किया जाएगा, ताकि पंचायती राज संस्थाओं को अधिक सक्षम और आत्मनिर्भर बनाया जा सके।

कार्यक्रम में राज्य वित्त आयोग के सदस्य सचिव नरेश कुमार ठकराल, पंचायती राज विभाग के शासन सचिव एवं आयुक्त डॉ. जोगाराम सहित विभागीय अधिकारी और विभिन्न पंचायतों के जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मनोहरपुर पुलिस को बड़ी सफलता:

चोरी की मोटरसाइकिल सहित आरोपी गिरफ्तार

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। पुलिस थाना मनोहरपुर ने मोटरसाइकिल चोरी के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी की गई मोटरसाइकिल बरामद करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस सूत्रों के अनुसार जयपुर ग्रामीण के अनुसार 14 जून 2026 को परिवादी राजुराम गुर्जर निवासी हथीनी देहरा ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि उसकी हीरो एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल (नंबर RJ 52 SE 9724) घर के बाहर खड़ी थी, जिसे अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। रिपोर्ट के आधार पर मनोहरपुर थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शाहपुरा रणवीर सिंह एवं वृत्ताधिकारी शाहपुरा दिनेशनारायण सैनी के निर्देशन तथा थाना प्रभारी सुरेंद्र सिंह पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में गठित टीम ने तकनीकी एवं मुखबिर तंत्र

की सहायता से कार्रवाई करते हुए आरोपी रोकेश उर्फ राजेन्द्र बावरिया (22) निवासी बिशनगढ़, थाना मनोहरपुर को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर मोटरसाइकिल चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की गई हीरो एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल बरामद कर ली है। मामले में अन्य आरोपियों की तलाश जारी है तथा अनुसंधान जारी है। पुलिस टीम में थाना प्रभारी सुरेंद्र सिंह, हेड कांस्टेबल चंद्रशेखर, कांस्टेबल राजेश कुमार, बदलराम, यादराम एवं संदीप की विशेष भूमिका रही।

विक्रम-वेताल की रोचक प्रस्तुति से दिया सड़क सुरक्षा का संदेश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सड़क सुरक्षा एवं परिवहन विभाग, राजस्थान सरकार और प्रादेशिक परिवहन अधिकारी, जयपुर द्वितीय के सहयोग से शास्त्री नगर स्थित कांवटिया सर्किल पर सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रस रंग मंच संस्था के कलाकारों ने "फर्क तो पड़ता है भई" नामक लघु नाटक का प्रभावशाली मंचन कर आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। नाटक में विक्रम-वेताल की रोचक कथा के माध्यम से शांतपुर और अशांतपुर नगरों की तुलना करते हुए यह संदेश दिया गया कि यातायात नियमों का पालन केवल व्यक्तिगत सुरक्षा ही नहीं, बल्कि सुरक्षित और अनुशासित समाज के निर्माण के लिए भी आवश्यक है। कलाकारों ने सीट बेल्ट पहनने, हेलमेट लगाने, गति सीमा का पालन करने और यातायात संकेतों का सम्मान करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों को मनोरंजक अंदाज में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने

कलाकारों के जीवंत अभिनय और संदेशपूर्ण प्रस्तुति की सराहना की। वरिष्ठ परिवहन निरीक्षक दिनेश सिंह ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों की पालना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। यदि सभी लोग जागरूक होकर नियमों का पालन करें तो सड़क दुर्घटनाओं में काफी कमी लाई जा सकती है। नाटक में रति महर्षि, के.के. कोहली, अजीत माथुर, मुकेश वर्मा, महेश महावर और हिमांशु झाकल ने अभिनय किया। नाटक का लेखन और निर्देशन हिमांशु झाकल ने किया। उल्लेखनीय है कि सड़क सुरक्षा जागरूकता के उद्देश्य से मंचित इस लोकप्रिय नाटक की यह 98वीं प्रस्तुति थी।

राजस्थान पुलिस का ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर बड़ा एक्शन, एक दिन में 7,721 वाहनों पर कार्रवाई

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान में सड़क सुरक्षा को मजबूत बनाने और यातायात नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के लिए पुलिस का विशेष प्रवर्तन अभियान पूरे जोर-शोर से जारी है। राज्यभर में 1 जून से 30 जून तक चलाए जा रहे इस अभियान के तहत नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ व्यापक कार्रवाई की जा रही है। महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा के निर्देश तथा महानिदेशक पुलिस प्रशिक्षण एवं यातायात अनिल पालीवाल एवं अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस यातायात डॉ. बी.एल. मीणा के पर्यवेक्षण में चल रहे अभियान के दौरान 14 जून को अकेले 7,721 वाहनों पर कार्रवाई की गई। यह अभियान अवैध मॉडिफिकेशन, ब्लैक फिल्म, अनधिकृत हूटर, लाल-नीली बत्ती, प्रेशर हॉर्न और नियम विरुद्ध नंबर प्लेट लगाने वाले वाहनों के खिलाफ केंद्रित

है। कार्रवाई के दौरान 726 वाहन अवैध संरचनात्मक परिवर्तन वाले पाए गए, जबकि 674 वाहनों पर अनधिकृत लाल-नीली बत्ती और हूटर लगे मिले। इसके अलावा 438 वाहनों में प्रेशर हॉर्न, 2,853 वाहनों में ब्लैक फिल्म, 1,041 वाहनों पर अनधिकृत शब्द एवं चिन्ह तथा 1,989 वाहनों पर नियमों के विपरीत नंबर प्लेट पाई गई। अभियान में कोटा शहर सबसे आगे रहा, जहां 406 वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इसके बाद अलवर में 388, जयपुर पश्चिम में 378, जयपुर ग्रामीण में 338 और जयपुर यातायात क्षेत्र में 303 मामलों में कार्रवाई दर्ज की गई। चित्तौड़गढ़ और भीलवाड़ा में भी बड़ी संख्या में नियम उल्लंघन के मामले सामने आए। महानिदेशक यातायात अनिल पालीवाल ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और सुरक्षित यातायात व्यवस्था स्थापित करने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे अपने वाहनों में अवैध संशोधन, ब्लैक फिल्म, प्रेशर हॉर्न, अनधिकृत हूटर और नियम विरुद्ध नंबर प्लेट का उपयोग न करें तथा यातायात नियमों का पालन कर स्वयं और दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। राजस्थान पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सड़क सुरक्षा से जुड़े नियमों के उल्लंघन पर आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		पानी के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

ब्रीफ खबरें

राजस्थान शिक्षक संघ अंबेडकर भरतपुर की नई जिला कार्यकारिणी का गठन

-महेंद्र सिंह बाबैन बने जिलाध्यक्ष

भरतपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान शिक्षक संघ अंबेडकर जिला शाखा, भरतपुर की जिला स्तरीय बैठक मंगलवार को अंबेडकर भवन, मिनी सचिवालय के सामने, भरतपुर में आयोजित की गई। बैठक में गठित चुनाव समिति के सदस्यों मुकेश सिंह (प्रधानाचार्य), श्यामसिंह सागर (प्रधानाचार्य) एवं ताराचंद अरविंद (प्रधानाचार्य) द्वारा चुनाव प्रक्रिया का संचालन किया गया। सर्वसम्मति से संगठन की नई जिला कार्यकारिणी का गठन करते हुए महेंद्र सिंह बाबैन को जिला अध्यक्ष, सुबह सिंह को जिला महामंत्री, बलराम मादौरिया को जिला सभाध्यक्ष तथा आशीष मौर्य को जिला कोषाध्यक्ष निर्वाचित किया गया। बैठक का मंच संचालन विमल सिंह (प्रधानाचार्य) द्वारा किया गया तथा अध्यक्षता राजकुमार पप्पा द्वारा की गई। इस अवसर पर विजय सिंह, शिवचरण मधुकर, साधुराम, भूदेव मथुरिया, रामहंश खोलिया, सुपनलाल सुकेती, मानसिंह, हेमन्त (प्रधानाचार्य), लक्ष्मण सिंह, मोहनलाल रछोइया, ओमप्रकाश शेखर, राजेन्द्र (प्रधानाचार्य), मंगतीराम (सरपंच) मुकेश कुमार पिप्पल सहित समस्त ब्लॉक अध्यक्ष, ब्लॉक महामंत्री एवं जिले भर से आए सैकड़ों शिक्षक साथी उपस्थित रहे। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का उपस्थित शिक्षक साथियों द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर संगठन को मजबूत बनाने, शिक्षक हितों की रक्षा करने तथा शिक्षकों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य करने का संकल्प लिया गया।

महवा में शहरी सेवा शिविर अभियान-2026 का आगाज, आमजन को मिलेगा राहत का मौका

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार नगरपालिका क्षेत्र महुवा में 'शहरी सेवा शिविर अभियान-2026' का आयोजन शुरू किया जा रहा है। अधिशाषी अधिकारी राजेश मीना ने बताया कि यह अभियान 12 जून से 15 जुलाई तक रोजाना सुबह 9:30 बजे से शाम 6बजे तक आयोजित किया जाएगा। इस विशेष शिविर के तहत शहरवासियों की विभिन्न समस्याओं का एक ही छत के नीचे निस्तारण किया जाएगा। अभियान के दौरान प्रमुख रूप से पट्टे और प्रमाण पत्र, विभिन्न अनुमोदित योजनाओं के तहत पट्टे, लीज होल्ड से फ्री होल्ड पट्टे और ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र जारी किए जाएंगे। पूरे शहर की साफ-सफाई, सीसी, डामर सड़क मरम्मत, स्ट्रीट लाइटों को दुरुस्त करना, नालियों व सीवर लाइन के लीकेज की मरम्मत और सार्वजनिक भवनों का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। साथ ही जन्म, मृत्यु व विवाह पंजीकरण के साथ-साथ फायर एनओसी, ट्रेड लाइसेंस, और मोबाइल टावर एनओसी जैसे कार्य होंगे।

भाजपा द्वारा भव्य प्रदर्शनी के माध्यम से केन्द्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से आमजन को कराया गया अवगत

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 साल विश्वास के विकास की जनकल्याण के कार्यक्रमों के अंतर्गत जिला सवाईमाधोपुर केंद्र एवं राज्य की विभिन्न योजनाओं से संदर्भित भव्य प्रदर्शनी का आयोजन जिला मुख्यालय पर रेलवे स्टेशन सिटी मॉल के पास किया गया भव्य प्रदर्शनी कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर रहे। भव्य प्रदर्शनी कार्यक्रम का मुख्य अतिथि द्वारा फीता काटकर शुभारंभ किया गया। प्रदर्शनी का अवलोकन भाजपा खंडार विधायक जितेंद्र गोठवाल एवं खंडार प्रधान नरेंद्र चौधरी द्वारा किया गया उक्त प्रदर्शनी में देश के प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में विभिन्न प्रकार की केंद्रीय एवं राज्य सरकार की योजनाओं मातृ वंदन योजना जनधन योजना,किसान सम्मन निधि योजना सहित अनेक जन

कल्याणकारी योजनाओं से संदर्भित जिला स्तरीय भव्य प्रदर्शनी में आमजन के अवलोकन हेतु प्रदर्शित की गई जिला प्रवक्ता सुरेंद्र शर्मा एवं जिला सह मीडिया प्रमुख धनेश शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष गुर्जर एवं खंडार विधायक गोठवाल द्वारा कहा गया कि प्रदर्शनी के माध्यम से हम सभी कार्यकर्ताओं को केंद्रीय एवं राज्य की जनकल्याणकारी विभिन्न योजनाओं को जानकर अपने-अपने क्षेत्र में निचले स्तर तक आमजन तक लाभान्वित करने के कार्य में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए योजनाओं के उद्देश्य को पूर्ण करना चाहिए उक्त अवसर पर प्रदर्शनी स्थल पर कार्यक्रम संयोजक खंडार प्रधान नरेंद्र चौधरी द्वारा शीतल शरबत एवं झालमुडी की व्यवस्था कर आमजन के मध्य प्रदर्शनी के महत्व के बारे में अवगत कराने का कार्य किया गया। भव्य प्रदर्शनी के अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष बजरंग लाल जाट,सुरेश जैन, डॉ. भरत लाल मथुरिया, जिला महामंत्री विनोद अटल, बाबूलाल मीणा, जगदीश अग्रवाल, जिला उपाध्यक्ष सत्यनारायण धाकड़, दीपक सिंघल, उदय सिंह गुर्जर, हरी ओम गर्ग, लाल चंद गौतम, जिला मंत्री गंगा शंकर गौतम, प्रेमदेवी मीणा, हरफूल मरमट, पूर्व जिला उपाध्यक्ष भवानी सिंह मीना, जिला प्रवक्ता सुरेन्द्र शर्मा, हरिओम पटेल, जिला कोषाध्यक्ष दीनदयाल अग्रवाल, जिला मोर्चा संयोजक जमनालाल वैष्णव, मंडल अध्यक्ष हनुमत दीक्षित, कृष्ण पोसवाल, मिथलेश व्यास, पुखराज सलेमपुर, रितेश भारद्वाज, मनीष जैन, मनराज गुर्जर, श्रीचंद सेनी, शंकर सिंह नरूका, महावीर गंडासा, अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश मंत्री मेहनाज पटेल, ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष बनवारी जाट, एसी मोर्चा अध्यक्ष अशोक बैंडवाल, जिला प्रकोष्ठ संयोजक बलवीर सिंह, केशव शर्मा, जिनेंद्र शर्मा, सतीश शर्मा, ओम प्रकाश, रामपाल बालोत शर्मा, संतोष मथुरिया, सावित्री शर्मा सहित अनेक भाजपा जिला एवं मंडलों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जिला कलक्टर ने अटरू क्षेत्र के ग्रामीण सेवा शिविरों का किया अवलोकन

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर बालमुकुंद असावा ने मंगलवार को अटरू क्षेत्र में संचालित ग्रामीण सेवा शिविरों का औचक निरीक्षण किया। शिविरों में आमजन को त्वरित राहत प्रदान करने के लिए प्रशासन द्वारा की जा रही व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अवलोकन के दौरान जिला कलक्टर ने उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिविरों में आने वाले प्रत्येक ग्रामीण की समस्या को संवेदनशीलता से सुनकर उसका समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। पेयजल, चिकित्सा सुविधा, भोजन एवं छाया की समुचित व्यवस्था रखी जाए। पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ बिना विलंब के मिले, इसके लिए संबंधित विभाग समन्वय से कार्य करें। जिला कलक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिविरों में प्राप्त आवेदनों का पंजीकरण सही तरीके से हो और प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण करने का प्रयास किया जाए। जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी ग्रामीणों को शिविर के माध्यम से दी जाए ताकि अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सकें।

कलेक्टर देवेंद्र कुमार ने करी राष्ट्रीय राजमार्ग-62 पर सड़क सुरक्षा और निर्माण कार्यों की समीक्षा, दिए आवश्यक निर्देश

नागौर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलेक्टर देवेंद्र कुमार ने समस्त संबंधित अधिकारियों के साथ मंगलवार को राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-62 के नागौर-बीकानेर सेक्शन एवं पीडब्ल्यूडी एनएच नागौर के अधीन रोड का निरीक्षण कर सड़क सुरक्षा एवं निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने हाईवे पर स्थित ब्लैक स्पॉट एवं प्रमुख दुर्घटना स्थलों का अवलोकन करते हुए सड़क सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक सुधारात्मक उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित एजेंसियों को दिए। कलेक्टर कुमार ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने तथा आमजन की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स पर त्वरित एवं प्रभावी सुधारात्मक कार्य किए जाएं। उक्त कार्य मैं रम्बल स्ट्रिप्स का निर्माण , स्पीड ब्रेकेट्स का निर्माण, रोड साइनेज लगाना, घुमाव पर झाड़ी कटिंग इत्यादि के निर्देश प्रदान किए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को

सड़क सुरक्षा मानकों की पालना सुनिश्चित करते हुए आवश्यक संकेतक, सुरक्षा उपकरण एवं अन्य व्यवस्थाएं विकसित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला कलेक्टर ने कृषि मंडी तिराहा से गोगेलाव तक 6.2 किलोमीटर लंबाई में प्रस्तावित सड़क निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए इसे शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। साथ ही रीको जंक्शन पर चल रहे निर्माण कार्य का भी अवलोकन किया तथा संबंधित एजेंसी को गुणवत्ता मानकों के अनुरूप कार्य सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया। निरिक्षण के दौरान मानेसर पुलिया पर सुरक्षा की दृष्टि से रेलिंग कार्य, जेएलएन हॉस्पिटल के पास रोड लाइट का सुचारू संचालन, कॉलेज रोड पर वृक्षारोपण (मीडियन प्लांटेशन) के निर्देश भी प्रदान किए। इस दौरान अधीक्षण अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग (राष्ट्रीय राजमार्ग) वृत्त बीकानेर, अधिशाषी अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग (राष्ट्रीय राजमार्ग) खंड नागौर, ट्रैफिक पुलिस के अधिकारी, जिला परिवहन कार्यालय के प्रतिनिधि तथा निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पंचायत समिति में मंत्रालयिक कर्मचारियों का पेन डाउन, मांगों को लेकर जताया रोष

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। पंचायती राज विभाग द्वारा मंत्रालयिक कर्मचारियों की विभिन्न मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लेने के विरोध में पंचायत समिति महुवा के मंत्रालयिक कर्मचारियों ने मंगलवार को भी आधे दिवस का पेन डाउन आंदोलन जारी रखा। प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार चल रहे इस आंदोलन के तहत कर्मचारियों ने सरकार एवं विभाग के प्रति अपना आक्रोश व्यक्त किया। कर्मचारियों का कहना है कि उत्तराखंड पैटर्न लागू करने, ग्राम पंचायत स्तर पर कार्यरत मंत्रालयिक कर्मचारियों के लिए स्वतंत्र जॉब चार्ट बनाने, कैडर रिव्यू कराने, समान संवर्ग के कार्मिकों की भांति हार्ड ड्यूटी भत्ता एवं अतिरिक्त प्रभार भत्ता देने सहित अन्य मांगों को लंबे समय से लंबित रखा गया है। इससे कर्मचारियों में भारी नाराजगी है। मंत्रालयिक कर्मचारी महासंघ के

बैनर तले विगत 15 दिनों से चल रहे 'स्वाभिमान बचाओ आंदोलन' की निरंतरता में मंगलवार को भी पंचायत समिति मुख्यालय पर पेन डाउन रखा गया। आंदोलन के कारण पंचायत समिति कार्यालय महुवा में सन्नाटा पसरा रहा तथा कार्यालयीन कार्य प्रभावित रहे। आंदोलन में मंत्रालयिक कर्मचारी महासंघ दौसा के जिला अध्यक्ष श्याम सुन्दर गुर्जर, पंचायती राज ब्लॉक संरक्षक मुकेश कुमार गुप्ता, ब्लॉक अध्यक्ष राजेन्द्र गुर्जर, महामंत्री जीतू गोडीवाल, कोषाध्यक्ष राजकुमार जैन, बनय सिंह मीना, राहुल शर्मा, संतराम जाटव, रामसहाय जाट, जगदीश प्रसाद, गिर्राज सारसर, अनुज पाराशर, देशराज मीना, महेन्द्र कुलदीप, जीतेन्द्र मीना, रामकिशन, मंजूलता मीना, ममता बाई मीना, ममता मीना सहित महवा ब्लॉक के समस्त मंत्रालयिक कर्मचारी शामिल रहे। पंचायत समिति कार्यालय के बाहर विरोध जताते मंत्रालयिक कर्मचारी।

पीड़ित प्रतिकर मीटिंग का आयोजन कर पीडितों को 5 लाख रुपये की प्रतिकर राशि प्रदान करने के दिये आदेश

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर के तत्वावधान में मंगलवार को देवेन्द्र दीक्षित अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (जिला एवं सेशन न्यायाधीश) सवाई माधोपुर की अध्यक्षता में पीड़ितों को प्रतिकर राशि दिलवाये जाने हेतु जिला प्राधिकरण के पदेन सदस्यगण के साथ मीटिंग का आयोजन किया गया। पीड़ित प्रतिकर स्कीम के तहत लंबित कुल 4 प्रकरणों पर विचार-विमर्श किया गया। जिसमें अंतरिम स्तर के 1 एवं अंतिम स्तर के 3 प्रकरणों में प्रार्थना पत्रों पर विचार-विमर्श किया गया। जिसमें समिति द्वारा अंतिम स्तर के जीवन हानि (हत्या) के एक प्रकरण में सर्वसम्मति से कुल 5 लाख रूपये प्रतिकर के रूप में स्वीकृत किये जाने के आदेश दिये गए। मीटिंग में न्यायाधीश पारिवारिक न्यायालय सुन्दरलाल बंशीवाल, विशिष्ट न्यायाधीश एससी/एसटी न्यायालय असीम कुलश्रेष्ठ, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण समीक्षा गौतम, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मयंक पालीवाल, जिला कलेक्टर कानाराम सिरवी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय सिंह मीना, अध्यक्ष अभिभाषक संघ संदीप शर्मा उपस्थित रहे।

प्रवासियों का माटी से जुडाव - "आओ गांव चलें" अभियान को निरंतर मिल रहा जन सहयोग

-जिला कलेक्टर डॉ. रविन्द्र गोस्वामी की पहल पर मिल रहा है निरंतर सहयोग

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। प्रवासी पाली वासियों को मातृभूमि से जोडने के उद्देश्य से जिला कलक्टर डॉ. रविन्द्र गोस्वामी की पहल पर प्रारम्भ किए गये "आओ गांव चलें" अभियान को निरंतर जन सहयोग मिल रहा है। "आओ गांव चलें" अभियान के तहत मारवाड जंक्शन ब्लॉक के धामली ग्राम में राजेन्द्र कुमार राखेचा, प्रधानाचार्य राउमावि धामली की प्रेरणा से राउमावि धामली में प्रवासी भामाशाहों ने की लगभग एक करोड रूपये की घोषणाएं की गई। घोषणाओं के अन्तर्गत राउमावि धामली में मुम्बई निवासी तेजराज ओस्तवाल द्वारा 03 लाख की लागत से सरस्वती मंदिर निर्माण, सूरत निवासी चम्पालाल घांची द्वारा 16 लाख की लागत से विद्यालय का मुख्य द्वारा व आगे की चार दीवारी निर्माण,

पूना निवासी राकेश ओझा द्वारा 08 लाख की लागत से हॉल व प्याऊ का जीर्णोद्धार, पूना निवासी धनपतराज कटारिया, महावीर कटारिया, कुशलराज कटारिया, सुरेश प्रेमराज कटारिया, सचिन प्रकाश कटारिया, मोहन लाल सीरवी, दुर्गा राम सीरवी, लाला राम सीरवी, चौन्नई निवासी राजेश रिखब कटारिया, सुनील रिखब कटारिया, धामली निवासी मिश्रीलाल मेवाडा, राधाकिशन सोनी, झाबरमल प्रजापत द्वारा 03 लाख रूपये प्रति कक्ष की लागत से एक-एक कक्षा-कक्ष का जीर्णोंद्धार एवं अहमदाबाद निवासी हरिराम सीरवी द्वारा 06 लाख रूपये की लागत से 02 कक्षा-कक्षों के जीर्णोंद्धार की घोषणा की गई। चौन्नई निवासी माणक चन्द सुंदेषा मुथा द्वारा 111000/- रूपये के विभिन्न मरम्मत कार्य, कान्तिलाल हस्तीमल कटारिया द्वारा 150000/- की लागत से वाटर कूलर, पूना निवासी सुखलाल सीरवी द्वारा 111000/- रूपये की लागत से कार्यालय के लिये एक कम्प्यूटर व 21 ऑफिय चेयर, केवल पूरी द्वारा 150000/- रूपये की लागत से मंच पर टीनशेड, प्रकाश प्रजापत द्वारा 36000/- रूपये की लागत से कम्प्यूटर सेट, मुम्बई निवासी नंदलाल गेहलोत द्वारा 46000/- रूपये की लागत से कम्प्यूटर सेट एवं विद्यालय स्टाफ द्वारा 21000/- रूपये की लागत से 21 ट्री गार्ड की घोषणा की गई। इसी प्रकार धामली निवासी झाबरमल प्रजापत द्वारा 01 लाख की लागत से 02 वाटर हट, मेघराज सिंह द्वारा 50000/- रूपये की लागत से वाटर हट एवं अहमदाबाद निवासी हरिराम सीरवी द्वारा 21000/- रूपये की लागत से इन्वर्टर की घोषणा की गई।

डेढ़ करोड़ के नए बस स्टैंड की सौगात, शाहपुरा में खुशी की लहर

-उपेन यादव के प्रयास रंग लाए, निर्माण कार्य के आदेश जारी

शाहपुरा/मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। भाजपा प्रत्याशी उपेन यादव के प्रयासों से शाहपुरा को लगभग 1.5 करोड़ रुपये की लागत वाले नए बस स्टैंड की सौगात मिली है। वित्तीय स्वीकृति एवं निविदा प्रक्रिया पूरी होने के बाद रविवार को निर्माण कार्य के आदेश जारी कर दिए गए हैं। जल्द ही बस स्टैंड का निर्माण कार्य शुरू होगा। इस उपलब्धि पर क्षेत्र में खुशी का माहौल है और लोगों ने उपेन यादव को बधाइयां दी हैं। उपेन यादव ने बताया कि उन्होंने 8 जून को जयपुर कृषि विपणन बोर्ड में अधिकारियों से मुलाकात कर निर्माण आदेश शीघ्र जारी करने की मांग की थी। उनके प्रयासों के बाद आदेश जारी किए गए। नया बस स्टैंड जाजैकला मिडवे के पीछे स्वीकृत भूमि पर बनाया जाएगा, जिससे यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। इस दौरान यादव ने बताया कि उनके प्रयासों से क्षेत्र को 22 से अधिक नई बसें भी मिल चुकी हैं तथा शाहपुरा बस यूनिट को डिपो का दर्जा दिलाने के लिए लगातार प्रयास जारी हैं। इसके अलावा राड़ावास, टोडी, खोरी और छापड़ा खुर्द रामपुरा में किसान विश्राम स्थलों के निर्माण कार्य के आदेश भी जारी हो चुके हैं। वहीं 50 लाख रुपये से अधिक लागत से आधुनिक रोडवेज वर्कशॉप का निर्माण भी पूरा हो चुका है। उपेन यादव ने कहा कि शाहपुरा विकास की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है और आने वाले समय में बस डिपो सहित कई बड़ी सौगातें क्षेत्र को मिलेंगी।

प्राधिकरण सचिव भाटी ने जिला कारागृह का किया निरीक्षण

पाली (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला न्यायाधीश) विक्रम सिंह भाटी, द्वारा मंगलवार को जिला कारागृह, पाली का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान 87 बन्दी जिला कारागृह, पाली में निरूद्ध मिले। निरीक्षण के दौरान सचिव भाटी द्वारा बन्दीगण से वार्तालाप कर कारागृह में भोजन, चिकित्सीय सुविधा, पेयजल, सफाई व्यवस्था इत्यादि के संबंध में जानकारी ली गई। इसके अतिरिक्त कोई भी बन्दी निजी अधिवक्ता करने में असमर्थ हो अथवा विधिक सहायता के अभाव में बिना अधिवक्ता के कारागृह में निरूद्ध ना रहे, इसके लिए सचिव भाटी द्वारा कारागृह में बन्दीगण को निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी दी गई। साथ

ही ऐसे बन्दी जिनकी जमानत होने के उपरांत भी कारागृह में निरूद्ध हो इस संबंध में भी जानकारी ली गई तथा बंदियों को उनके प्रकरणों की स्थिति के बारे में बताया। सचिव भाटी द्वारा बंदियों से वार्तालाप कर समस्याओं के बारे में पूछा तथा नवआगन्तुक बंदियों से वार्तालाप कर वक्त घटना/आरोपित अपराध के समय उनकी आयु के संबंध में जानकारी ली गई। सचिव भाटी ने कारापाल को आगामी बारिश के मौसम के देखते हुए पानी निकासी के संबंध में नाली व सिवरेज लाईन के सफाई व्यवस्था दुरूस्थ रखने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। चिकित्सक जेल डिस्पेंसरी डॉ. एम.एल. सालोदिया ने बताया कि सभी बन्दी की ओपीडी के समय में स्वास्थ्य जांच की जाती है तथा इमरजेन्सी होने पर बन्दीगण को राजकीय बांगड़ अस्पताल पाली रेफर किया जाता है। निरीक्षण के दौरान कारापाल जिला कारागृह जोराराम, चिकित्सक जेल डिस्पेंसरी डॉ. एम.एल. सालोदिया, जेल विजिटिंग लॉयर अल्ताफ हुसैन आदि उपस्थित रहे।

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

महवा उपखंड मुख्यालय के मम्मू कॉलोनी की सड़कें बदहाल, प्रशासन बड़े हादसे का कर रहा इंतजार

महवा (रॉयल पत्रिका)। उपखंड मुख्यालय के मम्मू कॉलोनी की सड़कें इन दिनों अपनी बदहाली पर आंसू बहा रही हैं। कॉलोनी की मुख्य सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे और उखड़ी हुई सड़क आमजन के लिए परेशानी का सबब बन गई है। हालात इतने खराब हैं कि हर दिन वाहन चालक और राहगीर जान जोखिम में डालकर यहां से गुजरने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क की मरम्मत को लेकर कई बार नगर पालिका प्रशासन और संबंधित विभाग को शिकायतें दी जा चुकी हैं। लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों ने अब तक कोई ध्यान नहीं दिया।

कॉलोनीवासियों का आरोप है कि प्रशासन किसी बड़े हादसे के बाद ही जागेगा। बरसात के मौसम में समस्या और विकराल रूप धारण कर लेती है। गड्ढों में पानी भर जाने से सड़क पूरी तरह तालाब जैसी दिखाई देती है, जिससे वाहन चालकों को गड्ढों का अंदाजा नहीं लग पाता और दुर्घटना का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। दोपहिया वाहन चालक सबसे अधिक परेशान हैं, जबकि बुजुर्गों, महिलाओं और स्कूली बच्चों को भी रोजाना मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से तत्काल सड़क निर्माण एवं मरम्मत कार्य शुरू करवाने की मांग की है ताकि किसी संभावित बड़े हादसे को रोका जा सके। उन्होंने विकास के दावों के बीच मम्मू कॉलोनी की यह बदहाल सड़क प्रशासनिक उदासीनता की पोल खोल रही है। अब देखना यह है कि जिम्मेदार अधिकारी लोगों की परेशानी को गंभीरता से लेते हैं या फिर किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार करते हैं। फोटो एम एच सीए, महवा के कॉलोनी की मुख्य सड़क जगह से टूटी हुई।

TNAI राजस्थान के प्रेसिडेंट डॉ. जोगेंद्र शर्मा के नेतृत्व में नर्सेज हेतु फिल्म "भारत भाग्य विधाता" का सफल विशेष प्रदर्शन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। द ट्रेन्ड नर्सेस एसोसिएशन ऑफ इंडिया (TNAI) राजस्थान स्टेट ब्रांच के तत्वावधान में प्रेसिडेंट डॉ. जोगेंद्र शर्मा के नेतृत्व में नर्सेज के सम्मान में फिल्म "भारत भाग्य विधाता" का निःशुल्क विशेष प्रदर्शन जयपुर के साथ-साथ राजस्थान के विभिन्न जिलों में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नर्सिंग अधिकारियों, नर्सिंग विद्यार्थियों एवं नर्सिंग कर्मियों ने भाग लिया। 26/11 आतंकवादी हमले की पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म नर्सिंग समुदाय की राष्ट्रभक्ति, साहस, कर्तव्यनिष्ठा एवं समर्पण की प्रेरणादायक गाथा को दर्शाती है। फिल्म के माध्यम से नर्सिंग कर्मियों के योगदान, त्याग एवं राष्ट्रसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। TNAI राजस्थान स्टेट ब्रांच के चेयरपर्सन संदीप बुडानिया ने बताया कि प्रेसिडेंट डॉ. जोगेंद्र शर्मा की इस विशेष पहल का उद्देश्य नर्सिंग कर्मियों के मनोबल को बढ़ाना तथा समाज के समक्ष उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करना है। यह फिल्म नर्सिंग कर्मियों के समर्पण, त्याग और देशसेवा की भावना को सशक्त रूप से प्रस्तुत करती है। उन्होंने इस आयोजन को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी पदाधिकारियों एवं नर्सिंग साथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में उपस्थित नर्सिंग कर्मियों ने फिल्म की सराहना करते हुए इसे प्रेरणादायक, भावनात्मक एवं नर्सिंग समुदाय के गौरव को बढ़ाने वाली फिल्म बताया। सभी ने माननीय सांसद एवं फिल्म की अभिनेत्री/प्रमुख प्रेरणा स्रोत माननीय कंगना रनौत जी का भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने नर्सिंग समुदाय की भावनाओं और योगदान को समझते हुए इस विषय पर एक उत्कृष्ट फिल्म का निर्माण किया है। इस प्रकार के प्रयासों से नर्सिंग समुदाय को समाज में और अधिक सम्मान मिलेगा तथा उनकी सेवाओं को व्यापक पहचान प्राप्त होगी।

एक दिवसीय किसान गोष्ठी का हुआ आयोजन

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। जिला हनुमानगढ में कृषि विभाग की आत्मा योजनान्तर्गत कैफेटेरिया गतिविधि बी-11 के अन्तर्गत खरीफ सीजन 2026 ब्लॉक स्तरीय एक दिवसीय किसान गोष्ठी का आयोजन ब्लॉक पीलीबंगा के पंचायत समिति सभागार में दिनांक 16.06.2026 को किया गया। इस गोष्ठी में लगभग 120 किसानो ने भाग लिया। गोष्ठी में डॉ. अभिषेक गोदारा, सहायक कृषि अनुसंधान अधिकारी, एग्री क्लिनिक एवं मृदा परीक्षण प्रयोगशाला, हनुमानगढ ने बताया कि मृदा स्वास्थ्य कार्ड के महत्व एवं मिटटी व जल नमूनो को लेने की सही विधियो के बारे में कृषको को जानकारी दी व मृदा स्वास्थ्य कार्ड के आधार पर खरीफ फसलों में खाद व उर्वरक के सन्तुलित उपयोग पर बल दिया। डॉ. अनिल कुमार, कृषि अनुसंधान अधिकारी, एटीसी हनुमानगढ द्वारा किसान गोष्ठी में कृषको को खरीफ फसलों की उन्नत कृषि तकनीको की विस्तृत जानकारी दी गई है। खरीफ में बोई जाने वाली हनुमानगढ जिले की प्रमुख बीटी कपास फसल में गुलाबी सुण्ड़ी प्रकोप एवं उसके नियंत्रण की विशेष तकनीकी जानकारी दी गई। इसके लिए कृषको को बीटी कपास खेतो में फेरोमॉन ट्रेप लगाने की सलाह दी गई। इसके साथ-साथ क्षेत्र की जलवायु के अनुकूल कृषि पद्धति अपनाने हेतु कृषको को प्रेरित किया गया। डॉ. चन्द्रशेखर शर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं विषय विशेषज्ञ (शष्य) केवीके संगरिया द्वारा प्राकृतिक खेती के महत्व पर विशेष प्रकाश डालते हुये कृषको को अपनाने हेतु प्रेरित किया गया। उन्होने खेत बचाओ अभियान अन्तर्गत रसायनिक उर्वरको के वैकल्पिक स्त्रोतो पर बल देते हुये जैव उर्वरको के उपयोग की विधिया एवं प्राकृतिक खेती के लिए आवश्यक आदान बनाने की विधिया के बारे में विस्तृत जानकारी कृषको को दी। रविकंलजीत सिंह, सहायक कृषि अधिकारी, पीलीबंगा ने किसान गोष्ठी में कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाऐ यथा डिग्गी व फार्म पौण्ड निर्माण, कृषि यंत्र, कस्टयम हायरिंग सेन्टर, तारबंदी, मिनीकीट इत्यादि की जानकारी कृषको को दी। किसान गोष्ठी में प्रगतिशील कृषक व जैव उर्वरक /जैव कीटनाशक उत्पादक किसान पूर्णचंद गोदारा निवासी खोथावाली ने विस्तार से इनके उपयोग व फसल प्रबन्धन के बारे जानकारी दी। पीलीबंगा गांव के जैविक खेती में जिला स्तर पर सम्मानित युवा कृषक नरेश बेनीवाल पिछले 8-10 वर्षो से जैविक विधि से दलहन, तिलहन व गेंहू उत्पादन कर रहा है, इनके 12 बीघा में जैविक किन्नू बाग स्थापित है। इनके द्वारा किये जा रहे कार्यो व उपलब्ध बाजार आदि के बारे में बताया। सुभाष चन्द्र डूडी, उप निदेशक कृषि (आत्मा) किसान गोष्ठी में कृषको को केन्द्र एवं राज्य सरकार के तत्वाधान में चलाऐ जा रहे खेत बचाओ इत्यादि अभियानो व कार्यक्रमों की जानकारी दी। उनके द्वारा राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन व राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन की जानकारी दी। करणजीत सिंह उप परियोजना निदेशक आत्मा ने कृषको को आत्मा योजनान्तर्गत संचालित गतिविधियो की जानकारी दी। किसान गोष्ठी में जगराज सिंह, सहायक कृषि अधिकारी, मोहनलाल कृषि पर्यवेक्षक व अन्य क्षेत्रीय स्टॉफ मौजूद रहा।

लंका प्रीमियर लीग के प्रमोटर आईपीजी ग्रुप ने की नैस्डैक-लिस्टेड पार्टनर से करोड़ों डॉलर की रणनीतिक फंडिंग की घोषणा

कोलंबो, (श्रीलंका) लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) का छठा सीजन 10 जुलाई से शुरू होने जा रहा है और उससे ठीक पहले लीग को बड़ा वित्तीय बढ़ावा मिला है। एलपीएल के प्रमोटर इनोवेटिव प्रोडक्शन ग्रुप एफज़ेड, एलएलसी (आईपीजी) को अमेरिका स्थित एक लिस्टेड कंपनी से मल्टी-मिलियन डॉलर की फंडिंग प्राप्त हुई है।आईपीजी ने फ्लैश स्पोर्ट्स एंड मीडिया इंक. (फ्लैश) के साथ अपना रणनीतिक ऑल-स्टॉक विलय पूरा कर लिया है, जिसके तहत एलपीएल सहित उसके टी20 लीगों के व्यावसायिक अधिकारों का पोर्टफोलियो नैस्डैक-लिस्टेड प्लेटफॉर्म यूग्रो के साथ जुड़ गया है।यह कदम आईपीजी और उसके द्वारा संचालित लीगों के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिससे वे बड़े पैमाने पर विस्तार के लिए तैयार एक सार्वजनिक रूप से संचालित ढांचे का हिस्सा बन गए हैं।इस नई संस्थागत संरचना के समर्थन से आईपीजी अगले दो वर्षों में एलपीएल को और अधिक भव्य एवं बेहतर बनाने के लिए 2 करोड़ अमेरिकी डॉलर (20 मिलियन डॉलर) का निवेश करेगा।एलपीएल के लिए यह बदलाव अधिक संगठित और विकास-केंद्रित दौर की शुरुआत का संकेत है। हालांकि एलपीएल की इंटेलेक्चुअ प्रॉपर्टी का मालिकाना हक श्रीलंका क्रिकेट के पास रहेगा, लेकिन आईपीजी के पास लीग के विशेष व्यावसायिक और मीडिया अधिकार बने रहेंगे।अब इन्हें संस्थागत पूंजी, बेहतर प्रशासनिक मानकों और दीर्घकालिक विस्तार योजनाओं का समर्थन भी प्राप्त होगा।आईपीजी ग्लोबल के संस्थापक और अध्यक्ष अनिल मोहन ने कहा, इस नए विकास का सबसे बड़ा लाभ एलपीएल को मिलेगा। सार्वजनिक रूप से संचालित संरचना में शामिल होने से लीग का जिम्मेदारीपूर्वक विस्तार करने की हमारी क्षमता मजबूत हुई है। अधिक पारदर्शिता, पूंजी तक पहुंच और बेहतर प्रशासनिक मानकों के साथ हम फ्रेंचाइजी मूल्य बढ़ाने के लिए बेहतर स्थिति में हैं, जबकि दीर्घकालिक व्यावसायिक अनुशासन भी बनाए रखेंगे।

वीआईटी भोपाल विश्वविद्यालय को 5.2 करोड़ का अनुसंधान अनुदान प्राप्त

सीहोर, एजेंसी। 28 प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं के लिए 5.2 करोड़ से अधिक का बाह्य अनुसंधान अनुदान अर्जित कर वीआईटी भोपाल विश्वविद्यालय ने अनुसंधान उत्कृष्टता एवं नवाचार के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। यह उपलब्धि कृषि, स्वास्थ्य सेवा, साइबर सुरक्षा, सतत विकास तथा अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों से संबंधित वास्तविक चुनौतियों के समाधान के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है और उसे राष्ट्रीय स्तर पर एक सशक्त अनुसंधान एवं नवाचार केंद्र के रूप में प्रतिष्ठित करती है। अपने सशक्त अनुसंधान एवं विकास आधार को निरंतर आगे बढ़ाते हुए विश्वविद्यालय के नवीन अनुसंधान-आधारित नवाचार जिनमें इन-बिल्ट पावर बैंक युक्त चार्जर, बहु-स्रोत हाइब्रिड पावर बैंक, ड्रॉप सुविधा से युक्त क्वाडकॉप्टर, बहुउद्देशीय डिटैचेबल बैकपैक तथा बहुउद्देशीय फ्लोर चेयर शामिल हैं। ये नवाचार दैनिक जीवन की उपयोगिता तथा सुगमता को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किए गए हैं। परिवहन एवं सार्वजनिक सुरक्षा के क्षेत्र में विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने उन्नत एयरबैग तैनाती प्रणाली, स्मार्ट वाहन आंतरिक प्रणाली, ट्रैफिक लेन प्राथमिकता प्रणाली, घुसपैठ पहचान प्रणाली, संरचनात्मक दरार पहचान प्रणाली तथा स्मार्ट उपकरण नियंत्रण प्रणाली जैसी प्रौद्योगिकियाँ विकसित की हैं। मजबूत अनुसंधान-से-व्यवहार रूपांतरण संस्कृति को दर्शाते हुए वीआईटी भोपाल विश्वविद्यालय ने छह डिज़ाइन रजिस्ट्रेशन प्राप्त किए हैं, जबकि दस उपयोगिता पेटेंट आवेदन प्रकाशित हो चुके हैं और वर्तमान में परीक्षणाधीन हैं। ये उपलब्धियाँ विश्वविद्यालय के फैकल्टी मेंबर्स एवं विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता तथा सतत नवाचार प्रयासों को रेखांकित करती हैं। राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप विश्वविद्यालय की अनेक शोध अनुदान-समर्थित परियोजनाएँ कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सटीक कृषि समाधान, रोग निगरानी प्रणालियों, साइबर सुरक्षा ढाँचों, संचार प्रौद्योगिकियों तथा एयरोस्पेस नवाचारों के विकास को नई दिशा प्रदान कर रही हैं। कृषि क्षेत्र में अनुसंधान का मुख्य उद्देश्य फसल उत्पादकता में वृद्धि, संसाधनों के सर्वोत्तम उपयोग, कीटनाशकों पर निर्भरता में कमी तथा उन्नत प्रौद्योगिकियों के माध्यम से किसानों की आय एवं आजीविका में सुधार करना है। स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में विश्वविद्यालय रोग निगरानी, डेटा-आधारित स्वास्थ्य प्रशासन तथा उन्नत निदान तकनीकों पर केंद्रित परियोजनाओं को आगे बढ़ा रहा है, जिनका उद्देश्य सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को सुदृढ़ करना और स्वास्थ्य सेवाओं के परिणामों में सुधार लाना है।

वेदांता ने रचा इतिहास; बीएसई और एनएसई पर चार स्वतंत्र कंपनियों की लिस्टिंग

वेदांता की नई सूचीबद्ध कंपनियों की एक्सचेंजों पर मजबूत शुरुआत

मुंबई, एजेंसी। वेदांता समूह ने आज भारतीय कॉर्पोरेट इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए अपनी चार नव-डिमर्ज्ड कंपनियों को बीएसई (बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज) और एनएसई (नेशनल स्टॉक एक्सचेंज) पर लिस्ट किया। इस ऐतिहासिक लिस्टिंग के साथ रणनीतिक धातुओं, क्रिटिकल मिनरल्स, एल्युमिनियम, ऑयल एवं गैस, पावर तथा आयरन एवं स्टील क्षेत्रों में केंद्रित, विश्वस्तरीय व्यवसायों का एक मजबूत पोर्टफोलियो तैयार हुआ है। ये व्यवसाय भारत की दीर्घकालिक औद्योगिक, अवसंरचनात्मक और आत्मनिर्भरता संबंधी महत्वाकांक्षाओं के केंद्र में हैं।वेदांता एल्युमिनियम, वेदांता ऑयल एंड गैस, वेदांता आयरन एंड स्टील और वेदांता पावर की लिस्टिंग भविष्य के लिए तैयार उस परिवर्तनकारी रणनीति का परिणाम है, जिसका उद्देश्य वैल्यू अनलॉक करना, व्यवसायों पर फोकस बढ़ाना और भारत को वैश्विक आर्थिक एवं विनिर्माण शक्ति बनाने की दिशा में सेक्टर-लीडर कंपनियां तैयार करना है। ये नव-सूचीबद्ध कंपनियां आज से समूह की प्रमुख सूचीबद्ध इकाई वेदांता लिमिटेड के

साथ बीएसई और एनएसई पर ट्रेडिंग शुरू करेंगी। वेदांता लिमिटेड की आधारशिला हिंदुस्तान जिंक तथा क्रिटिकल मिनरल्स व्यवसायों के वैश्विक महत्व वाले पोर्टफोलियो पर आधारित है। लिस्टिंग समारोह को संबोधित करते हुए वेदांता समूह के चेयरमैन श्री अनिल अग्रवाल ने कहा आज वेदांता के लिए एक ऐतिहासिक दिन है और मेरे लिए भावनात्मक रूप से भी बेहद खास है। 24 वर्ष पहले वेदांता लंदन स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध होने वाली पहली भारतीय कंपनी बनी थी और आगे चलकर एफटीएसई-100 कंपनी का दर्जा हासिल किया। उस दिन बोया गया बीज आज एक विशाल बरगद के पेड़ में बदल चुका है और उसके संरक्षण में विकसित हुए पौधे अब प्रमुख क्षेत्रों में दिग्गज बनने तथा भारत की तेज़ आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए तैयार हैं। अभूतपूर्व विकास का अगला अध्याय अब मुंबई में शुरू हो रहा है, जो वह शहर है जहां मेरी कारोबारी यात्रा की शुरुआत हुई थी। हमारी पूरी यात्रा के दौरान शेयरधारकों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता सर्वोच्च रही है। पिछले पांच वर्षों में हमने 300 प्रतिशत से अधिक का कुल शेयरधारक प्रतिफल दिया है, जो निफ्टी के रिटर्न से लगभग पांच गुना अधिक है। इसके साथ ही हमने 70 प्रतिशत से अधिक का संचयी डिविडेंड यील्ड भी प्रदान किया है।

भारत के तेल उत्पादन में 50 प्रतिशत से अधिक योगदान का लक्ष्य

बाड़मेर। भारत के तेल उत्पादन में 50 प्रतिशत से अधिक योगदान देने के दीर्घकालिक लक्ष्य के साथ वेदांता ऑयल एंड गैस सोमवार को शेयर बाजार में अपनी स्वतंत्र शुरुआत करेगी। कंपनी के शेयर आज से नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर 'VOGL' नाम से कारोबार के लिए उपलब्ध होंगे। डिमर्जर के बाद यह कंपनी की पहली स्वतंत्र लिस्टिंग है, जो एक स्वतंत्र ऊर्जा कंपनी के रूप में उसकी यात्रा में महत्वपूर्ण पड़ाव है और देश के सबसे बड़े तेल एवं गैस संसाधनों में से एक से दीर्घकालिक विकास एवं मूल्य सृजन का अवसर प्रदान करेगी। भारत वर्तमान में अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का लगभग 88 प्रतिशत आयात करता है और आने वाले वर्षों में मांग बढ़ने की संभावना है। ऐसे में घरेलू तेल एवं गैस उत्पादन बढ़ाना देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वेदांता ऑयल एंड गैस, जो 'केयर्न' ब्रांड के तहत परिचालन करती है, अन्वेषण, उत्पादन और तकनीक आधारित संसाधन विकास में निवेश के माध्यम से इस दिशा में योगदान दे रही है। कंपनी के पास 44 तेल एवं गैस ब्लॉक हैं, जो 47,000 वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में फैले हुए हैं। इसके पास 1.321 बिलियन बैरल तेल समतुल्य सिद्ध भंडार तथा 2.9 बिलियन बैरल तेल समतुल्य संभावित संसाधन उपलब्ध हैं। कंपनी का लक्ष्य वित्त वर्ष 2029 तक उत्पादन बढ़ाकर 150 kboepd (हजार बैरल तेल समतुल्य प्रतिदिन) से अधिक करना है।

भारती एयरटेल ने अफ्रीका स्टेक विलय के लिए मजबूत शेयरधारक समर्थन प्राप्त किया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारती एयरटेल लिमिटेड (भारती एयरटेल या कंपनी) ने आज घोषणा की कि उसके लगभग 100 प्रतिशत शेयरधारकों ने अपनी प्रमुख रणनीतिक सहायक कंपनी एयरटेल अफ्रीका पीएलसी में हिस्सेदारी के संकलन के लिए चल रहे समझौते को मंजूरी दे दी है, जो भारत की अग्रणी दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनी में कॉर्पोरेट सुशासन के सर्वोच्च मानकों को रेखांकित करने के साथ-साथ निवेशकों के सुदृढ़ विश्वास को भी पुष्ट करता है।। इस लेन-देन में भारती एयरटेल इंडियन कांटिनेंट इन्वेस्टमेंट लिमिटेड, एक प्रमोटर समूह संस्थान, को अधिमान्य आधार पर अपने इक्विटी शेयर जारी कर रहा है, बदले में एयरटेल अफ्रीका में 16.31 प्रतिशत हिस्सेदारी लेने के लिए।

इस प्रस्ताव को सार्वजनिक एवं संस्थागत निवेशकों सहित शेयरधारकों से अत्यधिक समर्थन प्राप्त हुआ, जो इसके रणनीतिक औचित्य और दीर्घकालिक मूल्य सृजन की संभावनाओं में विश्वास को प्रतिबिंबित करता है। यह लेन-देन एक नकदी-रहित शेयर अदला-बदली (शेयर स्वैप) है, जो कंपनी को बिना किसी अतिरिक्त ऋणभार अथवा नकदी बहिर्वाह के एक उच्च-वृद्धि वाली परिसंपत्ति में बड़ी हिस्सेदारी अर्जित कर अपनी आर्थिक भागीदारी बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है। साथ ही, यह समूह की शेयरधारिता संरचना को सरल बनाता है तथा पारदर्शिता को सुदृढ़ करता है, जो कॉर्पोरेट सुशासन एवं पूंजी दक्षता में एक नया प्रतिमान स्थापित करता है। सुनील भारती मित्तल, संस्थापक और चेयरमैन, भारती एंटरप्राइजेज, ने कहा, एयरटेल अफ्रीका हमारी विकास रणनीति के केंद्र में है और यह हमारे एकीकृत राजस्व में लगातार योगदान के साथ मजबूत प्रदर्शन देने के लिए अच्छी स्थिति में है। कंपनी हमेशा सर्वोच्च मानकों के कॉर्पोरेट गवर्नेंस और वित्तीय अनुशासन के अनुसार संचालित हुई है, और यह जोरदार समर्थन उस विश्वास को पुनः स्थापित करता है जो निवेशकों को संगठन में है। शेयर स्वैप के रूप में संरचित, भारत का अब तक का सबसे बड़ा लेन-देन एयरटेल की मुख्य संचालन और भविष्य की विकास महत्वाकांक्षाओं के लिए पूंजी की शक्ति को बनाए रखता है। जैसे ही हम आगे देखते हैं, हमें अफ्रीका में दीर्घकालिक शेयरधारक मूल्य निर्माण के लिए महत्वपूर्ण संभावनाएं दिखती हैं। यह समझौता, संपूर्णन और सभी आवश्यक नियामक अनुमोदनों की प्राप्ति के बाद, भारती एयरटेल की एयरटेल अफ्रीका में प्रभावी हिस्सेदारी को लगभग 79 प्रतिशत तक बढ़ा देगा। यह कंपनी के उस संतुलित दृष्टिकोण की निरंतरता है, जिसके अंतर्गत वह समूह के एक सुस्थापित रणनीतिक विकास मंच - एयरटेल अफ्रीका - में अपनी स्वामित्व हिस्सेदारी को क्रमिक रूप से सुदृढ़ करती रही है।

एसईपीसी ने किया सैल का 673 करोड़ का मेगा प्रोजेक्ट हासिल

चेन्नई, एजेंसी। एसईपीसी लिमिटेड जो औद्योगिक अवसंरचना, प्रक्रिया संयंत्र, जल व अपशिष्ट जल प्रबंधन क्षेत्र में अनुभवी इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण कंपनी है, को स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के आइआइएससीओ स्टील प्लांट, बर्नपुर से 4.08 मिलियन टन प्रति वर्ष कच्चे इस्पात विस्तार परियोजना के लिए 673.32 करोड़ का बड़ा ऑर्डर प्राप्त हुआ है।यह ऑर्डर औद्योगिक ईपीसी क्षेत्र में एसईपीसी की बढ़ती उपस्थिति को और मजबूत करता है तथा बड़े पैमाने की इस्पात और भारी औद्योगिक अवसंरचना परियोजनाओं में अपनी स्थिति सुदृढ़ करने की कंपनी की रणनीति में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि को दर्शाता है।

कुल अनुबंध मूल्य 673.32 करोड़ (करों को छोड़कर) है। इन परियोजनाओं को 30 से 33 महीनों की अवधि में पूरा किया जाना निर्धारित है, जिससे एसईपीसी की दीर्घकालिक राजस्व दृश्यता और परियोजना निष्पादन पाइपलाइन को और मजबूती मिलेगी।

भारत के सबसे बड़े एकीकृत इस्पात उत्पादकों में से एक द्वारा दिया गया यह प्रतिष्ठित ऑर्डर एसईपीसी की मजबूत इंजीनियरिंग क्षमताओं, उत्कृष्ट निष्पादन रिकॉर्ड और जटिल औद्योगिक परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा करने में बढ़ती विश्वसनीयता को दर्शाता है। यह उपलब्धि कंपनी की ऑर्डर बुक को भी मजबूत करती है और भारत के इस्पात क्षेत्र में क्षमता विस्तार एवं आधुनिकीकरण के लिए किए जा रहे महत्वपूर्ण निवेशों का लाभ उठाने की उसकी क्षमता को रेखांकित करती है।

एसईपीसी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक वेंकटरमणी जैगनेश ने कहा, सैल के आइआइएससीओ स्टील प्लांट से प्राप्त यह ऑर्डर एसईपीसी के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और यह हमारी इंजीनियरिंग विशेषज्ञता तथा परियोजना निष्पादन क्षमताओं में अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा जताए गए विश्वास को दर्शाता है।

पश्चिम एशिया संकट, तेल, सोना... रुपये में क्यों आई गिरावट वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गिनाए कारण

नई दिल्ली, एजेंसी। रुपये की कीमत में डॉलर के मुकाबले हाल में काफी गिरावट देखने को मिली। इसे रोकने के लिए आरबीआई ने कई कदम उठाए। इस बीच केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का कहना है कि डॉलर के मुकाबले रुपये में होने वाले उतार-चढ़ाव कई वैश्विक और घरेलू कारकों से प्रेरित होते हैं। इनमें भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं, विदेशी पूंजी की आवाजाही और कच्चे तेल, उर्वरक तथा सोने पर भारत की आयात निर्भरता शामिल है। उन्होंने जोर देकर कहा कि रुपये के एक्सचेंज रेट को किसी निश्चित स्तर पर बनाए रखने के लिए नहीं, बल्कि बाजार में अत्यधिक उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने के लिए ही हस्तक्षेप करता है।

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में बेंगलुरु के निकट देवनहल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान संवाददाताओं से बातचीत में सीतारमण ने कहा कि विनिमय दरें विभिन्न वैश्विक घटनाक्रमों और बाजार की परिस्थितियों से प्रभावित होती हैं। उन्होंने कहा कि कच्चे तेल, उर्वरक और सोने के आयात के लिए भारत को बड़ी मात्रा में डॉलर का भुगतान करना पड़ता है, जिससे विदेशी मुद्रा प्रबंधन का महत्व बढ़ जाता है।

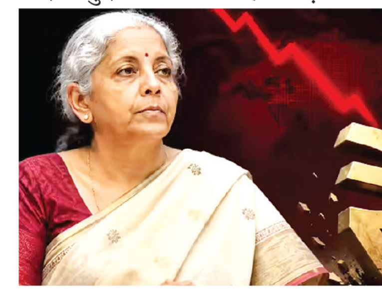

सीतारमण ने कहा, 'जब भी रुपये में अत्यधिक उतार-चढ़ाव या अस्थिरता आती है, तब भारतीय रिजर्व बैंक बाजार में हस्तक्षेप करता है। उसका उद्देश्य विनिमय दर को किसी निश्चित स्तर पर बनाए रखना नहीं, बल्कि अत्यधिक उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करना होता है। आरबीआई बाजार में आकर स्थिति को स्थिर करता है और फिर बाहर हो जाता है। इसके लिए वह अपने विदेशी मुद्रा भंडार का उपयोग करता है। इसलिए वह ऐसा सीमित और आवश्यकता पड़ने पर ही करता है।'

पिछले पांच-छह वर्षों से भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है। इस वर्ष जारी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों में विनिर्माण, कृषि, सेवा, लॉजिस्टिक और परिवहन सहित सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है उन्होंने कहा, 'रुपये की विनिमय दर और उसमें होने वाला उतार-चढ़ाव कई कारणों से प्रभावित होता है। इनमें वैश्विक अनिश्चितताएं, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि या कटौती के संकेत, डॉलर के मुकाबले जापानी येन और दक्षिण कोरियाई वॉन जैसी मुद्राओं में गिरावट शामिल हैं। विभिन्न देशों की मुद्राओं के बीच विनिमय दर अनेक कारकों से निर्धारित होती है।' सीतारमण ने कहा कि अमेरिका में आर्थिक घटनाक्रमों के कारण एफआईआई और एफडीआई द्वारा मुनाफावसूली कर धन निकालने तथा अन्य बाजारों में अंतरित करने का भी विदेशी मुद्रा भंडार और मुद्रा विनिमय दरों पर असर पड़ता है। उर्वरक सब्सिडी का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, 'कोविड काल से ही हम किसानों को उर्वरक की एक बोरी 300 रुपये में उपलब्ध करा रहे हैं।

फिर 4 प्रतिशत सस्ता हुआ क्रूड ऑयल, तब भी चंडीगढ़ में पेट्रोल 101 और डीजल 89 के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। इंटरनेशनल क्रूड ऑयल मार्केट में पिछले सप्ताह भारी गिरावट देखी गई थी। इस सप्ताह की शुरुआत भी गिरावट से ही हो रही है। क्रूड बाजार में मानक ब्रेंट क्रूड के दाम करीब 4 प्रतिशत फिर टूटे हुए दिखे। लेकिन भारत में पेट्रोल-डीजल बेचने वाली सरकारी तेल कंपनियों ने सोमवार, 15 जून 2026 को भी दाम में कोई बदलाव नहीं किया। यहां बीते 25 मई के बाद दाम में कोई कमी-बेशी नहीं हुई है। पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव बीतने के बाद ही पेट्रोलियम कंपनियों ने बीते मई महीने में चार बार

दाम बढ़ा चुकी है। ऐसा महज 11 दिनों में हुआ है। सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने सबसे पहले 15 मई 2026 को पेट्रोल 3 रुपये और डीजल 3.29 पैसे महंगा किया था। इसके बाद 19 मई को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे, 23 मई 2026 को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे और 25 मई 2026 को पेट्रोल 2.61 रुपये और डीजल 2.71 रुपये महंगा किया था। उसके बाद दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है। तेल कंपनियों की तरफ से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली में आज पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। कोलकाता में इसकी कीमत 113.51 रुपये, मुंबई में 111.21 रुपये और चेन्नई में 107.77 रुपये है। एक अनुमान के मुताबिक क्रूड ऑयल महंगा होने से सरकारी तेल कंपनियों को रोजाना पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और जेट फ्यूल पर करीब 750 करोड़ रुपये का घाटा हो रहा है। दिल्ली में डीजल का प्रति लीटर दाम 95.20 रुपये है। कोलकाता में यह 99.02 रुपये, मुंबई में 97.83 रुपये और चेन्नई में 99.55 रुपये प्रति लीटर है।

महेश भट्ट ने की वीर पहाड़िया स्टारर नाम - टू लिव इज़ वॉर की आधिकारिक घोषणा

अभिनेता वीर पहाड़िया ने अपनी अगली बड़ी फिल्म 'नाम - टू लिव इज़ वॉर' की आधिकारिक घोषणा कर दी है। इस फिल्म को दिग्गज फिल्ममेकर महेश भट्ट प्रस्तुत कर रहे हैं। आने वाली यह फिल्म एक डार्क एक्शन थ्रिलर बताई जा रही है, जिसमें वीर एक दमदार और रफ-टफ अवतार में नजर आने वाले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म में हाई-ऑक्टेन एक्शन के साथ मजबूत इमोशनल ड्रामा का भी मेल देखने को मिलेगा, जिससे यह वीर की बढ़ती फिल्मोग्राफी की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक मानी जा रही है। फिल्म को लेकर उत्साह को और बढ़ाते हुए खबर है कि अभिनेता वरुण शर्मा पहली बार अपने करियर में नेगेटिव रोल निभाते नजर आएंगे। अपनी शानदार कॉमिक टाइमिंग और हल्के-फुल्के किरदारों के लिए पहचाने जाने वाले वरुण का यह नया अवतार दर्शकों और इंडस्ट्री के बीच पहले से ही जिज्ञासा पैदा कर रहा है। फिलहाल फिल्म में वीर और वरुण के बीच टकराव को इसकी बड़ी खासियतों में से एक माना जा रहा है। गौरतलब है कि 'नाम - टू लिव इज़ वॉर' वीर पहाड़िया की तीसरी फिल्म होगी। उन्होंने 'स्काई फोर्स' से अपना डेब्यू किया था, जबकि उनकी दूसरी अनटाइटल्ड फिल्म इसके रिलीज़ से पहले सिनेमाघरों में आने की उम्मीद है।

सफलता का सफर आसान नहीं था हर चुनौती ने मुझे मजबूत बनाया

सुम्बुल तौकीर

कहते हैं कि सपने बड़े देखो तो उसकी कीमत भी चुकानी पड़ती है और संघर्ष ही इस कीमत को वसूलता भी है। कई सफल टीवी शो का हिस्सा रह चुकीं अभिनेत्री सुम्बुल तौकीर ने अपने करियर के सफर, संघर्ष और सफलता को लेकर खुलकर बात की है। 'इमली' जैसे चर्चित टीवी शो से घर-घर में पहचान बनाने वाली सुम्बुल का कहना है कि एक सफल कलाकार बनने का उनका रास्ता आसान नहीं था, लेकिन हर अनुभव ने उन्हें आगे बढ़ने और बेहतर बनने की प्रेरणा दी। एक न्यूज एजेंसी से बातचीत के दौरान सुम्बुल ने बताया कि उनका सपना हमेशा से अभिनेत्री बनने का था। हालांकि, मनोरंजन जगत में उनकी शुरुआत डांस रियलिटी शो के जरिए हुई, लेकिन उनका लक्ष्य कैमरे के सामने अभिनय करना था। उन्होंने कहा कि खुशी है कि समय के साथ उन्हें अपने सपनों को पूरा करने का अवसर मिला। सुम्बुल ने बताया, 'मैं हमेशा से एक्टर बनना चाहती थी। इंडस्ट्री में मेरा सफर डांस रियलिटी शो से शुरू हुआ, लेकिन मेरा सपना अभिनय करना था। यह सफर बिल्कुल आसान नहीं रहा। मैंने अच्छे और बुरे दोनों तरह के अनुभव देखे हैं, लेकिन इन्हीं अनुभवों ने मुझे मजबूत बनाया और आगे बढ़ने का हौसला दिया। 'अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें अपने निभाने हर किरदार से कुछ नया सीखने का मौका मिला है। उन्होंने कहा कि शुरुआती शोज से लेकर वर्तमान शो 'इत्ती सी खुशी' तक, अलग-अलग किरदारों को पर्दे पर जीवंत करना उन्हें बेहद पसंद है। उनके अनुसार, एक कलाकार के लिए हर किरदार एक नई चुनौती और सीख लेकर आता है। सुम्बुल ने यह भी माना कि कई बार दर्शक किसी कलाकार और उसके किरदार के बीच फर्क करना भूल जाते हैं। उन्होंने कहा कि जब कोई किरदार दर्शकों के दिलों तक पहुंचता है और लोग उस पर मजबूत प्रतिक्रिया देते हैं, तो यह कलाकार के काम की सबसे बड़ी सफलता होती है। उन्होंने कहा कि उन्हें अब तक निभाए गए सभी किरदारों पर गर्व है और भविष्य में भी नए और चुनौतीपूर्ण किरदार निभाने की इच्छा है। दर्शकों की सोच पर बात करते हुए सुम्बुल ने कहा कि लोग अक्सर पर्दे पर निभाए गए किरदारों के आधार पर कलाकारों की छवि बना लेते हैं। अगर कोई कलाकार नायक या नायिका की भूमिका निभाता है तो दर्शक उससे वास्तविक जीवन में भी वैसा ही व्यवहार करने की उम्मीद करते हैं। वहीं, खलनायक की भूमिका निभाने वाले कलाकारों को कई बार नकारात्मक नजरिए से देखा जाता है।

निर्देशकों की पहली पसंद बनीं

कियारा आडवाणी

बॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी हिंदी फिल्म फगली से बॉलीवुड में कदम रखने वाली कियारा आज अपनी पीढ़ी की सबसे लोकप्रिय और बहुमुखी अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। कियारा ने अपने करियर में रोमांटिक ड्रामा, व्यावसायिक मनोरंजक फिल्मों और भावनात्मक किरदारों सहित विभिन्न प्रकार की भूमिकाएं निभाकर दर्शकों और समीक्षकों का ध्यान आकर्षित किया है। बॉक्स ऑफिस पर सफलता के साथ-साथ उन्होंने एक ऐसी अभिनेत्री के रूप में पहचान बनाई है, जिस पर फिल्म निर्माता और निर्देशक पूरा भरोसा जताते हैं। फिल्म लस्ट स्टोरीज़ के निर्देशक करण जौहर ने कियारा की अभिनय क्षमता की सराहना करते हुए कहा था कि कैमरे के सामने वह जीवंत हो उठती हैं और भावनात्मक दृश्यों को बेहद सहजता से निभाती हैं। वहीं गिल्टी की निर्देशक रुचि नारायण ने उनकी संवेदनशीलता और किरदार की बारीकियों को समझने की क्षमता की प्रशंसा की थी। फिल्म शेरशाह के निर्देशक विष्णुवर्धन का मानना है कि कियारा अपने अभिनय से दृश्यों को लिखी गई पटकथा से भी आगे ले जाती हैं। वहीं कबीर सिंह के निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा ने कम संवादों और संयमित अभिनय के माध्यम से गहरी भावनाएं व्यक्त करने की उनकी क्षमता की सराहना की है। कियारा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म टॉक्सिकः बड़ों के लिए एक परीकथा को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म की निर्देशक गीतू मोहनदास ने हाल ही में कहा कि इस भूमिका के लिए कियारा उनकी पहली और एकमात्र पसंद थीं। उन्होंने कियारा के किरदार को नाजुकता और ताकत का अनोखा संगम बताया। फिल्मकारों की लगातार मिल रही प्रशंसा यह दर्शाती है कि कियारा आडवाणी ने पिछले 12 वर्षों में एक भरोसेमंद और प्रतिभाशाली अभिनेत्री के रूप में अपनी मजबूत पहचान स्थापित की है।

'कुमकुम भाग्य' एक्ट्रेस संचिता उगले ने सुसाइड किया

पंखे से लटकी मिली बॉडी, मौत से कुछ घंटे पहले रील पोस्ट की

संचिता ने टीवी शो 'कुमकुम भाग्य', 'वागले की दुनिया' समेत कई शोज में काम किया था। टीवी एक्ट्रेस संचिता उगले ने सोमवार को सुसाइड कर लिया। वे 22 साल की थीं। पुलिस ने बताया कि एक्ट्रेस का शव घर में सीलिंग फैन से लटका मिला। उन्होंने साड़ी का फंदा बनाकर फांसी लगाई। एक पुलिस अफसर ने एक न्यूज एजेंसी को बताया, 'हमारी टीम सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची। वहां कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। कोई सुसाइड नोट भी नहीं मिला। घटना के समय वे घर में अकेली थीं। उनके पिता ने बेटी की मौत के लिए किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया।'संचिता अपने माता-पिता के साथ महाराष्ट्र के पालघर में रहती थीं। वे टीवी सीरियल 'कुमकुम भाग्य' और 'वागले की दुनिया' में नजर आई थीं। पुलिस ने उनका शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच की जा रही है। संचिता के निधन से ठीक कुछ घंटों पहले ही उनके आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से एक रील पोस्ट की गई थी। वीडियो

में एक्ट्रेस 'डफली वाले, डफली बजा' गाने पर लिपसिंक करती दिखी थीं। इस वीडियो के कैप्शन में एक्ट्रेस ने लिखा था, 'मैं नाचूं, तू नचा।' कमेंट सेक्शन में एक्ट्रेस के फैंस उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर बेहद एक्टिव थीं और लगातार पोस्ट करती रहती थीं। उनके इंस्टाग्राम पर 1 लाख 39 हजार फॉलोअर्स हैं। संचिता उगले ने कई टीवी शो और फिल्मों में काम किया। वे लोकप्रिय टीवी शो 'कुमकुम भाग्य', 'वागले की दुनिया' जैसे कई शो का हिस्सा रह चुकी थीं। आखिरी बार वे दंगल टीवी चैनल के शो च्साजन घर मेंज् नजर आई थीं। वे पॉपुलर शो च्दिलवाली दूल्हा ले जाएगीज् में सौरभ बेदी के साथ लीड रोल में नजर आ चुकी हैं। संचिता ने फिल्म 'छावा' में भी काम किया था। फिल्म मुख्य भूमिकाओं में विक्की कौशल और अक्षय खन्ना नजर आए थे। इसके अलावा संचिता ने मनोज बाजपेई के साथ 'साइलेंस 2: द नाइट आउल बार शूटआउट' में भी काम किया था।

सबसे अजीब अफवाह थी मैं गे हूं

मौनी रॉय

सेक्शुअलिटी की अटकलों पर तोड़ी चुप्पी

एक्ट्रेस मौनी रॉय ने हाल ही में अपनी निजी जिंदगी से जुड़ी सोशल मीडिया चर्चाओं और अफवाहों पर खुलकर बात की। मोनिका शर्मा के डिजिटल टॉक शो में उनसे पूछा गया कि बॉलीवुड में आने के बाद उन्होंने अपने बारे में सबसे अजीब अफवाह कौन-सी सुनी। इस पर मौनी ने जवाब दिया, 'यह कि मैं गे हूं। ' मौनी ने इस सवाल का जवाब हल्के अंदाज में दिया और साफ किया कि वह ऐसी अटकलों को गंभीरता से नहीं लेतीं। पिछले कुछ समय से उनकी निजी जिंदगी चर्चा में रही है और सोशल मीडिया पर उनके रिश्तों व दोस्ती को लेकर कई तरह के अनुमान लगाए जाते रहे हैं। मौनी रॉय ने महिलाओं को आर्थिक और भावनात्मक रूप से आत्मनिर्भर बनने की सलाह दी। मौनी ने कहा कि उनके अच्छे-बुरे और मुश्किल दौर में करीबी महिला दोस्तों ने हमेशा साथ दिया। उनके मुताबिक मजबूत दोस्ती और सपोर्ट सिस्टम किसी भी इंसान को मुश्किल समय से बाहर आने में मदद करता है। एक्ट्रेस ने युवा महिलाओं के लिए संदेश देते हुए कहा कि उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और भावनात्मक रूप से मजबूत बनना चाहिए। उनके मुताबिक आत्मनिर्भरता सिर्फ करियर नहीं, बल्कि मानसिक और भावनात्मक मजबूती से भी जुड़ी होती है। मौनी ने कहा कि लोगों की राय और सोशल मीडिया की प्रतिक्रियाएं आती-जाती रहती हैं, लेकिन सबसे जरूरी खुद को समझना और अपने फैसलों पर भरोसा रखना है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को मजबूत सपोर्ट सिस्टम बनाना चाहिए और अपनी पहचान किसी बाहरी धारणा से तय नहीं होने देनी चाहिए। मौनी का यह बयान सोशल मीडिया पर चर्चा में है और लोग उनकी बेबाकी व आत्मनिर्भरता के संदेश पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

शिल्पा शेट्टी ने मोबिलिटी चैलेंज वर्कआउट के साथ मंडे मोटिवेशन की डोज दी

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने फिटनेस के शौकीनों के लिए 'मंडे मोटिवेशन' का डोज देकर सप्ताह की शुरुआत की। अपनी हालिया पोस्ट में शिल्पा शेट्टी ने बैलेंस, फ्लेक्सिबिलिटी और पूरे शरीर पर कंट्रोल बेहतर बनाने पर केंद्रित एक मोबिलिटी चैलेंज वर्कआउट शेयर किया। कैप्शन में उन्होंने फैंस को अपने फिटनेस लक्ष्यों के प्रति लगातार बने रहने के लिए भी प्रोत्साहित किया। वीडियो में, 'धड़कन' फिल्म की एक्ट्रेस को बैलेंस, फ्लेक्सिबिलिटी और नियंत्रित मूवमेंट पर ध्यान देते हुए मोबिलिटी चैलेंज वर्कआउट करते हुए देखा जा सकता है। कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'आपका बैलेंस कितनी बार बिगड़ा? सच-सच बताइए। मोबिलिटी चैलेंज के फायदे, कई तरह की मूवमेंट से कंधे की मोबिलिटी और फ्लेक्सिबिलिटी बेहतर होती है। बेहतर पोस्चर और मूवमेंट के लिए ऊपरी और बीच की पीठ (थोरेसिक स्पाइन) की मोबिलिटी बढ़ती है। हिप मोबिलिटी बढ़ती है, जिससे आप ज़्यादा आसानी और अच्छे से मूव कर पाते हैं। बैलेंस, तालमेल और पूरे शरीर पर कंट्रोल को चुनौती मिलती है। मोटर कंट्रोल बेहतर होने के साथ-साथ शरीर को स्थिर रखने वाली मांसपेशियां मजबूत होती हैं।

'खुद को चुनने में कभी देर नहीं होती' मनीषा कोइराला ने थाईलैंड ट्रिप की तस्वीरों के साथ दी नई शुरुआत की सीख

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में कई महिलाएं परिवार, बच्चों और जिम्मेदारियों के बीच अपने सपनों को कहीं पीछे छोड़ देती हैं। समय के साथ उन्हें लगने लगता है कि अब उनकी उम्र निकल चुकी है और कुछ नया करने का समय नहीं बचा है। ऐसी सभी महिलाओं को बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए खास संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जिंदगी में खुद को चुनने और अपने सपनों को पूरा करने के लिए कभी भी देर नहीं होती। मनीषा कोइराला ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर थाईलैंड ट्रिप की कुछ खूबसूरत तस्वीरें साझा कीं। इन तस्वीरों में वह बेहद खुश नजर आ रही हैं। कहीं वह प्राकृतिक सुंदरता के बीच समय बिताती दिख रही हैं, तो कहीं शांत माहौल का आनंद लेती दिखाई दे रही हैं। तस्वीरों में वह जीवन के छोटे-छोटे पलों का आनंद नजर आ रही रही हैं। इन तस्वीरों के साथ मनीषा ने कैप्शन में लिखा, 'जो महिलाएं यह सोचती हैं कि अब उनके लिए बहुत देर हो चुकी है, उन्हें इस सोच को छोड़ देना चाहिए। ट्रिप करें, नई शुरुआत करें और सबसे जरूरी बात, खुद को चुनें। मैं दुनिया को एक्सप्लोर कर रही हूं और साथ ही अपने स्वास्थ्य और मानसिक शांति का भी ध्यान रख रही हूं। 'मनीषा कोइराला के इस पोस्ट पर कई लोगों ने कमेंट्स किए। एक यूजर ने लिखा, 'मनीषा जी, आपकी यह पोस्ट हर महिला के लिए प्रेरणा है।' दूसरे यूजर ने लिखा, 'सच कहा आपने जिंदगी उम्र से नहीं, सोच से चलती है।' अन्य यूजर्स ने कमेंट्स में इमोजी शेयर किए। बता दें कि मनीषा कोइराला हिंदी सिनेमा की उन चुनिंदा अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं जिन्होंने अपने अभिनय से दर्शकों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ी है।

(साभार एजेंसी)

पाकिस्तान पर भारत की जीत के बाद जेमिमा ने कहा, 'हम 'शिफू' एक-दूसरे की कमी पूरी करते हैं'

बर्मिंघम (एजेंसी)। महिला टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान पर शानदार जीत के बाद भारतीय बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स ने टीम के जज्बे और एकजुटता की तारीफ की। उन्होंने ड्रेसिंग रूम में बात करते हुए सिर्फ मुख्य खिलाड़ियों पर ध्यान देने के बजाय पूरी टीम के योगदान को सराहा।

जेमिमा ने मैच के बाद बीसीसीआई द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में दबाव वाली स्थितियों में टीम के अच्छे प्रदर्शन और पूरे मैच के दौरान एक-दूसरे का साथ देने के लिए टीम की तारीफ की। इस मैच में भारत ने मुश्किल पलों से उबरते हुए बल्ले और गेंद दोनों से अच्छा प्रदर्शन किया। अपनी शुरुआती बातों में जेमिमा ने पारी की शुरुआत में शैफाली वर्मा के इरादों का जिक्र किया। बीसीसीआई के वीडियो में ओपनर के बारे में बात करते हुए जेमिमा ने कहा, पहली जीत हमेशा खास होती है लड़कियों। सबसे पहले शिफू (शैफ़ाली)। पहली गेंद, बड़ा टूर्नामेंट... और पहली ही गेंद पर छक्का जड़ना। इसके बाद उन्होंने सीनियर बल्लेबाज स्मृति मंधाना और कप्तान हरमनप्रीत कौर की ओर ध्यान दिलाया जिनकी साझेदारी ने शुरुआती झटके के बाद भारत को मैच में वापस लाने में मदद की। उन्होंने कहा, हमारी दो अनुभवी खिलाड़ी... स्मृति, बहुत बढ़िया खेलीं! हैरी दी, बहुत बढ़िया खेलीं। आप दोनों ने हालात के हिसाब से बहुत अच्छा तालमेल बिठाया।

भारत के मिडिल-ऑर्डर के फिनिशिंग अंदाज की भी तारीफ हुई जिसमें जेमिमा ने पारी के आखिरी पलों में ऋचा घोष और दीप्ति शर्मा के योगदान को सराहा। जेमिमा ने कहा, ऋचा और दीप्ति। हमने मैच को जिस तरह से अच्छे से खत्म किया, उसके बारे में बात करें तो मुझे लगता है कि आप दोनों इसके सबसे अच्छे उदाहरण हैं। हालाँकि जेमिमा ने इस बात पर जोर दिया कि यह जीत सिर्फ बाउंड्री और बड़े शॉट्स की वजह से नहीं मिली। इसके बजाय उन्होंने टीम की उस क्षमता का जिक्र किया जिसमें खिलाड़ी व्यक्तिगत प्रदर्शन में उतार-चढ़ाव के बावजूद एक-दूसरे का साथ देते हैं। उन्होंने कहा, यह छक्कों या बाउंड्री के बारे में नहीं था। बॉलिंग में मुझे जो बात सबसे अच्छी लगी, वह यह थी कि ऐसे दिन भी आएंगे जब कोई अच्छी बॉलिंग करेगा और कोई शायद न कर पाए। लेकिन हमने एक टीम के तौर पर बात की थी कि हम एक-दूसरे की

कमी पूरी करते हैं।

सामूहिक जिम्मेदारी की यह भावना तब भी दिखी जब जेमिमा ने भारत की बॉलिंग परफॉर्मेंस पर बात की। पाकिस्तान द्वारा लक्ष्य का पीछा करते हुए तेज शुरुआत करने के बाद भारत के गेंदबाजों और फील्डरों ने मिलकर मैच पर दोबारा पकड़ बनाई और विपक्षी टीम के विकेट जल्दी-जल्दी गिरा दिए। और, मुझे लगता है कि आज हमारी पार्टनरशिप और जिस तरह से हमने बॉलिंग की, वह शानदार थी। हम हमेशा से एक टीम रहे हैं। हमने अच्छा किया है। लेकिन, आज हमने वैसी शुरुआत नहीं की जैसी हम चाहते थे। फिर भी, जिस तरह से हमने वापसी की, उससे हमें बहुत कॉन्फिडेंस मिलना चाहिए। जेमिमा की स्पीच का एक बड़ा हिस्सा दीप्ति शर्मा के लिए था जिनकी बॉलिंग ने पाकिस्तान के कड़े मुकाबले को तोड़ने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, %मुझे लगता है कि जब प्रेशर ज्यादा होता है, तब आप हमेशा अलग नजर आती हैं। और आज भी आपने बॉलिंग में वह जिम्मेदारी उठाई। जेमिमा ने युवा स्पिनर श्रेयांका पाटिल की भी तारीफ की कि उन्होंने प्रेशर में भी कितना संयम दिखाया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि जिस तरह से आपने बॉलिंग की, उसमें आपने बहुत मैच्योरिटी दिखाई। बहुत बढ़िया।

भारतीय बल्लेबाज ने फील्डिंग पर भी जोर दिया और शैफाली वर्मा का खास जिक्र किया। उन्होंने कहा, शैफाली वर्मा - मैजिक हैंड्स! आपने दिखाया कि आप हमेशा योगदान दे सकती हैं।

ऋचा घोष ने 200 के स्ट्राइक रेट से पारी खेली

बड़ा कीर्तिमान बना, भारत का टी20 वर्ल्ड कप में तीसरा सर्वोच्च स्कोर

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में पाकिस्तान के खिलाफ रविवार (14 जून) को भारत ने 6 विकेट पर 170 रन बनाए। उप-कप्तान स्मृति मंधाना की अर्धशतकीय पारी के अलावा ऋचा घोष ने 200 के स्ट्राइक रेट से पारी खेलकर बड़े स्कोर तक पहुंचाया। ऋचा ने 17 गेंद पर 5 चौके और 1 छक्के की मदद से 34 रन बनाए। वह जब क्रीज पर आईं तब भारतीय टीम

की हालत खराब थी। उसने 14.2 ओवर में 110 रन पर 4 विकेट गंवा दिए। इस तूफानी बल्लेबाजी के कारण ऋचा घोष के नाम भारत के लिए टी20 वर्ल्ड कप में नंबर 6 या नीचे बल्लेबाजी करते हुए सर्वोच्च स्कोर हो गया। उनकी इस पारी के दम पर भारत ने टी20 वर्ल्ड कप में अपना तीसरा सर्वोच्च स्कोर बनाया। भारत ने 2018 न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 विकेट पर 194 रन बनाए थे। यह उसका सर्वोच्च स्कोर है। उसने श्रीलंका के खिलाफ 2024 में 3 विकेट पर 172 रन बनाए। यह भारत का टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ सर्वोच्च स्कोर भी है।

विश्वकप में भारत का बड़े स्कोर

- 194/5 बनाम न्यूजीलैंड, प्रोविडेंस, 2018
- 172/3 बनाम श्रीलंका, दुबई, 2024
- 170/6 बनाम पाकिस्तान, बर्मिंघम, 2026
- 167/8 बनाम ऑस्ट्रेलिया, प्रोविडेंस, 2018
- 167/8 बनाम ऑस्ट्रेलिया, केपटाउन, 2023

स्मृति ने खेली पाकिस्तान के खिलाफ T20 वर्ल्ड कप इतिहास की सबसे बड़ी पारी

हरमनप्रीत-मिताली के बराबरी की

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 का आगाज शानदार तरीके से किया और अपने पहले ही लीग मैच में पाकिस्तान की टीम को 64 रन के बड़े अंतर से हरा दिया। भारत की इस जीत में स्मृति मंधाना की शानदार बल्लेबाजी और दिप्ती शर्मा की घातक गेंदबाजी का बड़ा योगदान रहा। स्मृति ने इस मैच में गजब की पारी खेली और वो पाकिस्तान के खिलाफ महिला टी20 वर्ल्ड कप में भारत की तरफ से सबसे बड़ी पारी खेलने वाली बैटर बन गई जबकि दिप्ती शर्मा अब महिला टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में भारत के लिए बेस्ट प्रदर्शन करने वाली बॉलर बन गईं।

स्मृति ने खेली पाकिस्तान के खिलाफ सबसे बड़ी पारी– स्मृति ने इस मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ 44 गेंदों पर 2 छक्के और 9 चौकों की मदद से 68 रन की शानदार पारी खेली जिसके दम पर भारत ने 170 रन बनाए। स्मृति अब महिला टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की तरफ से सबसे बड़ी पारी खेलने वाली महिला बैटर बन गईं। वहीं स्मृति महिला टी20 वर्ल्ड कप में भारत की तरफ से सबसे बड़ी पारी खेलने वाली ओवरऑल पांचवीं प्लेयर बन गईं। इस लिस्ट में पहले नंबर पर कप्तान हरमनप्रीत कौर हैं।

जर्मनी ने तोड़ा ब्राजील का विश्व रिकॉर्ड

कुराकाओ को 7-1 से हराकर रच दिया इतिहास

नई दिल्ली। दुनिया की बेहतरीन टीमों में शुमार जर्मनी ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 में अपनी शुरुआत धमाकेदार अंदाज में की और इस सीजन में डेब्यू करने वाली टीम कुराकाओ को 7-1 के बड़े अंतर से हरा दिया। इस जीत के साथ जर्मनी ने ना सिर्फ 3 अंक हासिल किए बल्कि फुटबॉल वर्ल्ड कप इतिहास में एक ऐसा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया जो पहले ब्राजील के नाम पर दर्ज था।

ग्रुप ई में हुए इस मुकाबले में जर्मनी की टीम शुरुआत से ही कुराकाओ पर पूरी तरह से हावी नजर आई और इस टीम ने वैसा ही खेल दिखाया जिसके लिए वो जाने जाते हैं। जर्मनी में किसी भी पल इस मैच में विरोधी टीम को जरा सा भी खुद पर हावी नहीं होने दिया और 7-1 के अंतर से उसे हराया और साल 2014 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल की याद ताजा करवा दी जिस मुकाबले में जर्मनी ने ब्राजील को 7-1 से हराया था।

जर्मनी को बड़े अंतर से मिली जीत

इस मैच में कुराकाओ के खिलाफ जर्मनी ने बेहद तेज अंदाज में शुरुआत की। छठे मिनट में फेलिक्स नेमेचा ने शानदार गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई। हालांकि 21वें मिनट में कुराकाओ ने बराबरी का गोल दागते हुए स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद जर्मनी ने मैच पूरी तरह अपने कब्जे में ले लिया। 38वें मिनट में निको श्लॉटरबेक ने कॉर्नर पर शानदार हेडर लगाकर टीम को बढ़त वापस दिलाई। हाफ टाइम से ठीक पहले काई हैवर्ट्ज ने पेनल्टी को गोल में बदलकर स्कोर 3-1 कर दिया। दूसरे हाफ की शुरुआत के सिर्फ 69 सेकेंड बाद ही जमाल मुसियाला ने गोल दागकर मुकाबला लगभग समाप्त कर दिया। इसके बाद नाथानियल ब्राउन, डेनिज उंडाव और काई हैवर्ट्ज ने गोलों की बरसात जारी रखी और जर्मनी ने 7-1 के अंतर से मैच जीत लिया।

वर्ल्ड कप इतिहास में में जर्मनी ने 239 गोल हो गए

कुराकाओ के खिलाफ 7 गोल दागने के साथ ही जर्मनी फीफा वर्ल्ड कप के इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाली टीम बन गई। जर्मनी के अब फुटबॉल वर्ल्ड कप में कुल 239 गोल हो गए जबकि ब्राजील 238 गोल के साथ दूसरे नंबर पर आ गया। वहीं फीफा वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा गोल करने के मामले में तीसरे नंबर पर अर्जेंटीना है जिसके 152 गोल हैं। यही नहीं ये चौथा मौका है जब जर्मनी ने किसी वर्ल्ड कप मैच में 7 या उससे ज्यादा गोल दागे हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड हंगरी के नाम था, जिसने तीन बार ऐसा कमाल किया था।

आइवरी कोस्ट ने इक्वाडोर को 1-0 से हराया

अमाद डियालो ने अंतिम क्षणों में किया गोल

फिलाडेल्फिया। मैनचेस्टर यूनाइटेड के विंगर अमाद डियालो के 90वें मिनट में किए गए गोल की मदद से आइवरी कोस्ट ने सोमवार को फिलाडेल्फिया स्टेडियम में फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप ई के रोमांचक मैच में इक्वाडोर को 1-0 से हराया। ऐसा लग रहा था कि मुकाबला गोलरहित ड्रॉ पर समाप्त होगा, लेकिन सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी के तौर पर आए अमाद ने शानदार शॉट लगाते हुए आइवरी कोस्ट को 2014 के बाद विश्व कप में पहली जीत दिलाई। इस जीत से आइवरी कोस्ट ग्रुप ई में जर्मनी के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। रविवार को कुराकाओ को 7-1 से हराने के बाद जर्मनी पहले स्थान पर है। मैच के पहले हाफ में इक्वाडोर ने कई अच्छे मौके बनाए। जॉन येबोआ का एक दमदार शॉट क्रॉसबार से टकरा गया और गोल नहीं हो सका। इसके कुछ ही समय बाद एलन मिंडा भी गोल करने के करीब पहुंचे, लेकिन उनका शॉट भी बार से टकराकर बाहर चला गया। इस तरह इक्वाडोर शुरुआती बढ़त हासिल करने का मौका गंवा बैठा।

दूसरी ओर, आइवरी कोस्ट ने भी कुछ खतरनाक हमले किए। यान डियोमांडे ने दाएं छोर से शानदार खेल दिखाया और लगातार विपक्षी डिफेंस पर दबाव बनाया। वहीं, बाजूमाना टूरे के एक तेज शॉट को इक्वाडोर के गोलकीपर हर्नान गैलिंडेज ने बेहतरीन बचाव करते हुए गोल में जाने से रोक दिया। इस मैच में यान डियोमांडे ने एक खास उपलब्धि भी हासिल की। 19 साल और 212 दिन की उम्र में वह आइवरी कोस्ट के लिए वर्ल्ड कप मैच खेलने वाले पहले किशोर खिलाड़ी बने।

कप्तान हरमनप्रीत कौर ने रचा इतिहास

• टी20 वर्ल्ड कप का 8 साल पुराना रिकॉर्ड चकनाचूर

एजबेस्टन (एजेंसी)। पाकिस्तान के खिलाफ एजबेस्टन में कप्तान हरमनप्रीत कौर टी20 वर्ल्ड कप में भारत की महिला खिलाड़ियों में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गईं। मैच शुरू होने से पहले वह मिताली राज के साथ 726 रनों पर संयुक्त रूप से शीर्ष पर थीं और अपनी पहली ही गेंद पर उन्होंने पूर्व कप्तान को पीछे छोड़ दिया। भारतीय कप्तान को जल्दी मैदान पर आना पड़ा क्योंकि भारत ने शुरुआती 20 गेंदों में ही शैफाली वर्मा और जेमिमा रोड्रिग्स के विकेट गंवा दिए थे। हरमनप्रीत ने 35 गेंदों पर 36 रन बनाए जिसमें 4 चौके शामिल थे। इतना ही नहीं उन्होंने तीसरे विकेट के लिए धमाकेदार बल्लेबाज स्मृति मंधाना के साथ 91 रन की साझेदारी निभाई जिससे ना सिर्फ हरमनप्रीत टी20 विश्व कप में भारतीय महिला टीम की सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी बनी बल्कि भारत की जीत में भी यह साझेदारी काम आई। हरमनप्रीत के टी20 विश्व कप में 762 रन हो गए हैं। वहीं दूसरे स्थान पर मौजूद मिताली राज ने 726 रन बनाए हैं। तीसरे स्थान पर स्मृति मंधाना हैं जिन्होंने 592 रन बनाए हैं। चौथे स्थान पर भारतीय बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स और पांचवें पर पुनम राऊत हैं जिन्होंने क्रमशः 408 और 375 रन बनाए हैं।

टी-20 के लिए सर्वाधिक रन

762 - हरमनप्रीत कौर*
726 - मिताली राज
592 - स्मृति मंधाना
408 - जेमिमा रोड्रिग्स
375 - पुनम राऊत

भारत बनाम पाकिस्तान मैच – मैच की बात करें तो सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना के अर्धशतक के बाद अनुभवी दीप्ति शर्मा के पांच विकेट से भारत ने आईसीसी टी20 महिला विश्व कप के ग्रुप एक मैच में रविवार को यहां पाकिस्तान को 64 रन से हराकर अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की। भारत के 171 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की टीम ऑफ स्पिनर दीप्ति (10 रन पर पांच विकेट) के करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी के सामने 17 ओवर में 106 रन पर सिमट गई।

दीप्ति शर्मा ने रचा इतिहास, पाकिस्तान के खिलाफ घातक गेंदबाजी से तोड़ा टी20 का बड़ा रिकॉर्ड

आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 में भारत की स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने पाकिस्तान के खिलाफ ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए कई बड़े रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए। एजबेस्टन में खेले गए मुकाबले में दीप्ति ने सिर्फ 10 रन देकर 5 विकेट झटके और भारत को 64 रन की शानदार जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

टी20 क्रिकेट की सबसे सफल गेंदबाज बनीं दीप्ति – इस पांच विकेट के प्रदर्शन के साथ दीप्ति शर्मा ने महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। अब उनके नाम 145 टी20 मैचों में 166 विकेट दर्ज हैं। उन्होंने थाईलैंड की स्पिनर थिपाचा पुथावोंग (165 विकेट) को पीछे छोड़ दिया। महिला क्रिकेट की दिग्गज गेंदबाजों में शामिल ऑस्ट्रेलिया की मेगन शुट्ट 152 विकेट के साथ इस सूची में चौथे स्थान पर हैं।

झूलन गोस्वामी का रिकॉर्ड भी टूटा –दीप्ति का 5/10 का आंकड़ा अब महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में किसी भारतीय गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन बन गया है। उन्होंने झूलन गोस्वामी का 14 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2012 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5/11 का प्रदर्शन किया था। वहीं महिला टी20 विश्व कप में भी यह भारत की ओर से दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले रेणुका सिंह ठाकुर ने 2023 में इंग्लैंड के खिलाफ 5/15 विकेट लिए थे।

गेंद और फील्डिंग दोनों में चमकीं दीप्ति – भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 170/6 का मजबूत स्कोर बनाया, जिसमें दीप्ति ने भी 9 गेंदों में 12

रन की तेज पारी खेली। गेंदबाजी में उन्होंने पाकिस्तान की शुरुआत बिगाड़ते हुए गुल फिरोजा और आयशा जफर को आउट किया। इसके बाद मुनीबा अली को शानदार डायरेक्ट हिट से रन आउट किया और फिर आलिया रियाज, नशरा संधू और तास्मिया रुबाब के विकेट लेकर पाकिस्तान की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। पाकिस्तान की पूरी टीम 17 ओवर में 106 रन पर सिमट गई।

दीप्ति शर्मा ने पाकिस्तान के खिलाफ बड़ी जीत के बाद किया हनुमान जी का जिक्र

पाकिस्तान के खिलाफ महिला टी20 विश्व कप के ग्रुप मैच में 10 रन देकर 5 विकेट लेने वाली भारतीय गेंदबाज दीप्ति शर्मा ने प्लेयर ऑफ द मैच जीतने के बाद अपने इस प्रदर्शन का श्रेय पूरी टीम को दिया। साथ ही दीप्ति ने कहा कि हनुमान जी महान हैं। भारत ने सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना (68) के अर्धशतक के बाद अनुभवी दीप्ति शर्मा के पांच विकेट से भारत ने आईसीसी टी20 महिला विश्व कप के ग्रुप एक मैच में रविवार को यहां पाकिस्तान को 64 रन से हराकर अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की। भारत के 171 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की टीम ऑफ स्पिनर दीप्ति (10 रन पर पांच विकेट) के करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी के सामने 17 ओवर में 106 रन पर सिमट गई। बाएं हाथ की स्पिनर चरणी (21 रन पर तीन विकेट) और शैफाली वर्मा (22 रन पर एक विकेट) ने भी दीप्ति का अच्छा साथ निभाया। दीप्ति शर्मा ने मैच के बाद कहा, मैं बहुत आभारी हूं। मुझे इस तरह की पिचें पसंद हैं, इसका पूरा श्रेय टीम को जाता है और मैं बहुत शुक्रगुजार हूं, हनुमान जी महान हैं।

अमेरिका व ईरान के बीच हुआ शांति समझौता 19 जून को स्विट्ज़रलैंड में होगा हस्ताक्षर

» इस्लामाबाद/वाशिंगटन, भाषा।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि अमेरिका और ईरान ने अपने 107 दिन लंबे युद्ध को खत्म करने के लिए एक समझौते को अंतिम रूप दे दिया है। इस युद्ध के कारण वैश्विक ऊर्जा संकट पैदा हो गया था। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सोमवार को कहा कि उनका देश स्विट्जरलैंड में 19 जून को अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते पर हस्ताक्षर के लिए आयोजित किए जाने वाले समारोह की मेजबानी करेगा। शांति समझौते का विवरण हालांकि तत्काल उपलब्ध नहीं कराया गया है। ट्रंप ने रविवार शाम को ट्रूथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा, इस्लामिक गणराज्य ईरान के साथ समझौते को अंतिम रूप दिया जा चुका है। सभी को बधाई।

इस समझौते से वैश्विक ऊर्जा बाजारों ने राहत की सांस ली है। उन्होंने यह भी कहा कि समझौते के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य फिर से खोला जाएगा और ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिकी नाकेबंदी समाप्त कर दी जाएगी। ट्रंप ने कहा, मैं मुक्त आवाजाही के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को तत्काल पूरी तरह खोलने और अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी को हटाने की मंजूरी देता हूं। दुनिया के जहाजों, इंजन चालू करो। तेल का प्रवाह होने दो। हालांकि, एक अन्य पोस्ट में ट्रंप ने स्पष्ट किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य शुक्रवार को समझौते पर आधिकारिक हस्ताक्षर होने के बाद ही खोला जाएगा। यह समझौता ऐसे दिन हुआ जब ट्रंप अपना 80वां जन्मदिन मना रहे थे। इस शांति समझौते को अंतिम रूप दिए जाने के साथ ही युद्ध और कूटनीति से भरे एक उथल-पुथल भरे हफ्ते का समापन हुआ। इस दौरान अमेरिका ने ईरान पर हमले किए और अमेरिकी राष्ट्रपति ने आखिरी समय पर इस्लामी गणराज्य के तेल निर्यात केंद्र, खार्ग द्वीप पर कब्जा करने की अपनी धमकी वापस ले ली। ट्रंप ने कहा,यह समझौता पूरे क्षेत्र में शांति और सुरक्षा लाएगा। मुझसे पहले कई राष्ट्रपतियों ने ईरान के साथ शांति स्थापित करने की कोशिश की, लेकिन सभी विफल रहे।

स्विट्ज़रलैंड में शांति समझौते पर हस्ताक्षर समारोह की मेजबानी करेगा पाकिस्तान : शरीफ

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सोमवार को कहा कि उनका देश स्विट्जरलैंड में अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते पर हस्ताक्षर के लिए आयोजित किए जाने वाले समारोह की मेजबानी करेगा। शहबाज ने पाकिस्तान संसद के निचले सदन नेशनल असेंबली को अमेरिका-ईरान टकराव को खत्म करने की पाकिस्तान की कोशिशों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा, यह दो देशों के बीच कोई समझौता नहीं है, बल्कि यह शांति और बातचीत की सफलता है, यह एक कूटनीतिक सफलता है। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि इस टकराव से वैश्विक ऊर्जा ढांचे पर खतरा मंडरा रहा था। शहबाज ने अमेरिका और ईरान के बीच होने जा रहे समझौते को शांति की दिशा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर करार दिया।

चीन ने पश्चिम एशिया समझौते का स्वागत किया

बीजिंग। चीन ने सोमवार को पश्चिम एशिया में संघर्ष खत्म करने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच बनी सहमति का स्वागत किया और अंतरराष्ट्रीय नौवहन के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को जल्द खोलने की मांग की। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, चीन को उम्मीद है कि अमेरिका और ईरान तय कार्यक्रम के अनुसार समझौता ज्ञापन के पहले चरण पर हस्ताक्षर करेंगे। जियान ने यह भी कहा कि बीजिंग पाकिस्तान की मध्यस्थता की कोशिशों की सराहना करता है। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि सभी संबंधित पक्ष योजना के अनुसार दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर करेंगे और शांतिपूर्ण बातचीत के ज़रिए मुद्दों को सुलझाने के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे।

ईरान और अमेरिका के बीच शांति समझौता हुआ आधिकारिक तौर पर हस्ताक्षर 19 जून को होंगे: शरीफ

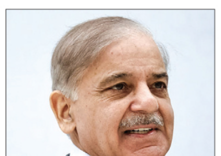

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने घोषणा की कि अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता हो गया है और इस पर 19 जून को आयोजित एक समारोह में आधिकारिक रूप से हस्ताक्षर किए जाएंगे। शरीफ ने सोमवार तड़के सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, हमें यह घोषणा करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि गहन वार्ताओं के बाद अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता हो गया है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने लेबनान सहित सभी मोर्चों पर सैन्य अभियानों को तत्काल और स्थाई रूप से समाप्त करने की घोषणा की है। शरीफ ने कहा, आधिकारिक तौर पर हस्ताक्षर 19 जून को स्विट्ज़रलैंड में किए जाएंगे। शरीफ ने संघर्ष का कूटनीतिक समाधान खोजने की प्रतिबद्धता के लिए अमेरिका और ईरान का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, मैं इस संबंध में महत्वपूर्ण योगदान के लिए सऊदी अरब और तुर्किए के दूरदर्शी नेतृत्व को भी विशेष रूप से धन्यवाद देना चाहता हूं। उन्होंने कहा, अब जबकि समझौता हो चुका है, मध्यस्थ इस सप्ताह कई बैठकों का आयोजन करेंगे। कार्यान्वयन-पूर्व ए चर्चाएं तकनीकी वार्ताओं और आधिकारिक हस्ताक्षर समारोह का आधार तैयार करेंगी। उन्होंने अपने पोस्ट में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजिश्कियान और विदेश मंत्री अब्बास अराघची को भी टैग किया।

स्टैनफोर्ड में सुंदर पिचाई के भाषण के दौरान फलस्तीन समर्थक छात्रों का बहिर्गमन

» न्यूयॉर्क, भाषा।

अमेरिका के स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में गूगल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुंदर पिचाई के संबोधन के दौरान फलस्तीन समर्थक कई छात्रों ने बहिर्गमन किया। स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय से मैटीरियल साइंस एंड इंजीनियरिंग में मास्टर ऑफ साइंस (एमएस) की डिग्री प्राप्त कर चुके पिचाई रविवार को वर्ष 2026 की कक्षा को संबोधित करने के लिए अपने पूर्व शिक्षण संस्थान लौटे थे। स्टैनफोर्ड रिपोर्ट के अनुसार विश्वविद्यालय के 135वें दीक्षांत समारोह में 3,600 छात्रों सहित 20,000 से अधिक लोगों ने भाग लिया। एसएफगेट की एक खबर में कहा गया है कि पिचाई द्वारा छात्रों, शिक्षकों, अभिभावकों और अन्य उपस्थित लोगों को संबोधित किए जाने के दौरान लगभग 200 छात्र समारोह स्थल से बाहर चले गए।

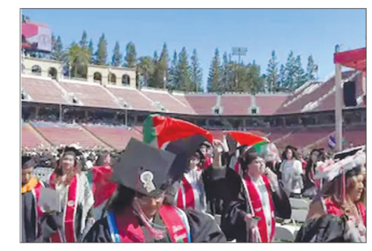

खबर के अनुसार, दर्शक दीर्घा में मौजूद कुछ समूहों ने बैनर और फलस्तीनी झंडे लहराए तथा सीटी बजाई। बाद में वे भाषण के बीच में ही बाहर निकल गए। खबर में कहा गया कि फलस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारियों ने इजराइल सरकार के साथ गूगल के संबंधों, विशेष रूप से वर्ष 2021 में हुए 1.2 अरब अमेरिकी डॉलर के क्लाउड कंप्यूटिंग समझौते प्रोजेक्ट निम्बस का विरोध किया। खबर के अनुसार गाजा में युद्ध और परिसर में फलस्तीन समर्थक प्रदर्शनों पर विश्वविद्यालय की कार्रवाई के विरोध में पिछले तीन वर्षों के दौरान भी स्टैनफोर्ड के दीक्षांत समारोहों में छात्रों ने प्रदर्शन किए हैं। सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो में कुछ छात्र फलस्तीनी झंडे और बैनर लेकर कार्यक्रम स्थल से बाहर जाते तथा फ्री फलस्तीन जैसे नारे लगाते दिखाई दिए। खबरों के अनुसार, इस प्रदर्शन का आयोजन स्टूडेंट्स फॉर जस्टिस इन फलस्तीन और नो टेक फॉर अपार्थाइड सहित कुछ समूहों ने किया था। अपने संबोधन में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) खड़गपुर और व्हार्टन स्कूल के पूर्व छात्र पिचाई ने चेन्नई से कैलिफोर्निया तक के अपने सफर और इस दौरान सीखे गए जीवन के सबक साझा किए। भारतीय-अमेरिकी उद्यम पूंजी निवेशक और प्रौद्योगिकी क्षेत्र के वरिष्ठ कारोबारी विनोद खोसला ने छात्रों के बहिर्गमन की आलोचना की। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि छात्रों ने मानवता के लिए समान अवसर उपलब्ध कराने वाली तकनीकी प्रगति का नेतृत्व करने वाले गूगल और सुंदर पिचाई के प्रति असम्मान दिखाया है।

रूस के हमले से यूक्रेन में ग्यारह लोगों की मौत

कीव, भाषा। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोमवार को बताया कि रूस ने यूक्रेन के प्रमुख शहरों पर रातभर सैकड़ों ड्रोन और दर्जनों मिसाइलों से हमला किया, जिसमें कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई और एक प्रसिद्ध धार्मिक स्थल भी क्षतिग्रस्त हो गया। राजधानी कीव और दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव पर ए हमले ऐसे समय हुए हैं, जब राष्ट्रपति जेलेंस्की और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रविवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर अलग-अलग बातचीत की थी। यूक्रेन युद्ध पर मंगलवार को फ्रांस में होने वाले जी-7 शिखर सम्मेलन में भी चर्चा होने की संभावना है। इस सम्मेलन में जेलेंस्की और ट्रंप के शामिल होने की उम्मीद है। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, रूस इस तरह दुनिया को युद्ध जारी रखने का अपना इरादा दिखा रहा है। उन्होंने कहा, यह बेहद जरूरी है कि जी-7 देश इस पर प्रतिक्रिया दें और यह प्रतिक्रिया ठोस एवं निर्णायक हो। आक्रमणकारी देश पर अधिक दबाव बनाया जाए तथा यूक्रेन की वायु रक्षा, विशेषकर बैलिस्टिक मिसाइल रोधी क्षमताओं को और मजबूत करने में मदद दी जाए। कीव में हमले में घायल हुए लोगों में बच्चे भी शामिल हैं। जेलेंस्की ने कहा कि रूसी हमलों में पूरे यूक्रेन में 11 नागरिकों और आपातकालीन सेवा कर्मियों की मौत हो गई, जबकि 53 अन्य घायल हुए हैं। कीव के महापौर विताली क्लितस्को ने बताया कि राजधानी में पांच लोगों की मौत हुई। वहीं, शहर के सैन्य प्रशासन प्रमुख तिमूर तकाचेंको के अनुसार कम से कम 30 अन्य लोग घायल हुए हैं, जिनमें पांच और छह वर्ष की आयु के दो बच्चे भी शामिल हैं।

सूडान में पांच महीने में ड्रोन हमलों में 1,000 से अधिक लोगों की मौतः संयुक्त राष्ट्र

काहिरा, भाषा। संयुक्त राष्ट्र के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को कहा कि 2026 के पहले पांच महीने में सूडान में हुए ड्रोन हमलों में 1,000 से अधिक लोगों की मौत हुई है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर टर्क ने कहा कि उनके कार्यालय ने सूडान युद्ध में ड्रोन हमलों में तेज बढ़ोतरी दर्ज की है। उन्होंने कहा कि उनके कार्यालय ने इस साल जनवरी से मई के बीच 1,000 से अधिक आम लोगों की मौत की जानकारी दर्ज की है। उन्होंने जिनेवा में मानवाधिकार परिषद से कहा, सूडान में भयावह संकट बढ़ गया है और यह तेज हुआ है। युद्ध में ड्रोन का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। उत्तर-पूर्वी अफ्रीकी देश सूडान में 15 अप्रैल 2023 को उस वक्त युद्ध शुरू हुआ था जब सेना और अर्द्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्सेज राजधानी खारतूम और देश के दूसरे हिस्सों में आमने-सामने आ गए थे।

न्यूज ब्रीफ

कांगो में इबोला प्रकोप घोषित किए जाने के एक दिन में सर्वाधिक 72 मामले सामने आए

» किंशासा, भाषा।

कांगो में इबोला का प्रकोप घोषित किए जाने के एक महीने बाद इस संक्रमण के मामलों में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है और पिछले 24 घंटे में 72 नए मामले सामने आए, जो एक दिन में अब तक के सर्वाधिक मामले हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, संक्रमितों के संपर्क में आए लोगों का पता लगाने में आ रही कठिनाइयों, असुरक्षा की स्थिति और धन की कमी के कारण बीमारी पर नियंत्रण के प्रयास प्रभावित हो रहे हैं। कांगो के स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को बताया कि 24 घंटे के दौरान 72 नए मामलों की पुष्टि होने के बाद कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 782 हो गई है। संक्रमण से अब तक 181 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें पिछले 24 घंटे में दर्ज 32 नई मौतें भी शामिल हैं। हालांकि, माना जा रहा है कि संक्रमितों की वास्तविक संख्या इससे अधिक हो सकती है।

इसकी वजह यह है कि प्रकोप की पुष्टि 15 मई को हुई थी, जबकि आशंका है कि संक्रमण कई सप्ताह पहले ही फैलना शुरू हो गया था। इसके अलावा, संक्रमितों के संपर्क में आए लोगों की पहचान और निगरानी (कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग) की कवरेज दर घटकर 56 प्रतिशत रह गई है, जो पिछले सप्ताह की तुलना में उल्लेखनीय गिरावट दर्शाती है। इबोला का यह ताजा प्रकोप दुर्लभ बुंडीबुग्यो वायरस के कारण फैला है, जिसके लिए अभी तक कोई स्वीकृत टीका या उपचार उपलब्ध नहीं है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, अब तक 56 लोग स्वस्थ हो चुके हैं, जबकि इस प्रकोप की मौजूदा मृत्यु दर 23 प्रतिशत है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने रविवार को कहा कि वह जांच, संक्रमितों के संपर्क में आए लोगों की पहचान और उपचार संबंधी प्रयासों को और तेज कर रहा है।

नेपाल :मादक पदार्थ रखने के आरोप में भारतीय नागरिक गिरफ्तार

» काठमांडू, भाषा।

नेपाल के लुंबिनी प्रांत में सोमवार को एक भारतीय नागरिक के पास से कथित तौर पर मादक पदार्थ जब्त किए जाने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि भारतीय नागरिक ने मादक पदार्थ अपने अंतर्वस्त्र में छिपाया हुआ था। नेपाल पुलिस के अनुसार, उत्तर प्रदेश निवासी 40 वर्षीय मोहम्मद रिजवान को नेपालगंज उप-महानगर क्षेत्र में सुरक्षा जांच के दौरान गिरफ्तार किया गया।

जांच के दौरान पुलिस ने उसके अंतर्वस्त्र में छिपाए गए एक पैकेट से 63.5 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त की। पुलिस ने यह भी बताया कि रिजवान जिस मोटरसाइकिल पर सवार था, उसे भी जब्त कर लिया गया। मामले की जांच शुरू कर पुलिस ने भारतीय नागरिक को हिरासत में ले लिया। एक अन्य मामले में कोशी प्रांत में दुर्घटनाग्रस्त हुई एक जीप से 104 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार, घटनास्थल पर पुलिस के पहुंचने से पहले ही जीप चालक फरार हो गया था।

पाकिस्तान में वायुसेना का प्रशिक्षण विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से दोनों पायलट की मौत

» इस्लामाबाद, भाषा।

पाकिस्तान की वायुसेना का एक प्रशिक्षण विमान सोमवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे उसमें सवार दोनों पायलट की मौत हो गई। सेना ने यह जानकारी दी। सेना ने बताया कि यह घटना खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में मर्दान के निकट उस वक्त हुई जब विमान एक नियमित प्रशिक्षण उड़ान पर था।

इस हादसे में फ्लाइट लेफ्टिनेंट मोहम्मद कासिम अब्दुल्लाह (पाकिस्तान वायुसेना) और लेफ्टिनेंट ताहा अब्बासी की मौत हो गई। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए वायु मुख्यालय द्वारा एक जांच बोर्ड गठित किया गया है। पाकिस्तान सेना प्रमुख आसिम मुनीर, पाकिस्तान के सेवा प्रमुखों और पाकिस्तान सशस्त्र बलों ने जनहानि पर शोक व्यक्त किया और शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

ब्रिटेन में कई सोशल मीडिया ऐप्स पर लगेगी रोकः स्टार्मर

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केयर स्टार्मर ने कहा कि ब्रिटेन 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए कई सोशल मीडिया ऐप्स पर रोक लगाएगा। स्टार्मर ने कहा कि अगर प्रौद्योगिकी कंपनियां विरोध करती हैं, तो वह इसका मुकाबला करेंगे। उन्होंने कहा कि वह बच्चों की सुरक्षा और खुशी से कोई समझौता करने को तैयार नहीं हैं। इस कदम से ब्रिटेन बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा को और मज़बूत करने वाले बढ़ते वैश्विक आंदोलन का हिस्सा बन गया है।

भारत, स्लोवाकिया संबंधों को व्यापक साझेदारी के स्तर पर ले जाने को सहमत ग्यारह समझौतों पर हस्ताक्षर

» ब्रातिस्लावा, भाषा।

भारत और स्लोवाकिया ने सोमवार को अपने संबंधों को व्यापक साझेदारी के स्तर तक ले जाने तथा द्विपक्षीय व्यापार और रक्षा सहयोग को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको के बीच बातचीत के बाद यह सहमति बनी। दोनों देशों ने इसी के साथ प्रवासन, डिजिटल प्रौद्योगिकी और रक्षा जैसे कई क्षेत्रों में आपसी सहयोग बढ़ाने के लिए 11 समझौतों पर हस्ताक्षर भी किए हैं। दोनों नेता भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को यथाशीघ्र लागू करने की दिशा में काम करने पर भी सहमत हुए। इससे दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को काफी मजबूती मिलने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री मोदी यूरोप की अपनी एक हफ्ते की यात्रा के तहत ब्रातिस्लावा में हैं। किसी भारतीय प्रधानमंत्री की स्लोवाकिया की यह पहली यात्रा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने मीडिया में जारी वक्तव्य में कहा, हमने अपने संबंधों को व्यापक साझेदारी के स्तर तक ले जाने का फैसला किया है। यह हमारी साझा मान्यताओं, साझा प्राथमिकताओं और साझा भविष्य का प्रतीक है। इस व्यापक साझेदारी का उद्देश्य द्विपक्षीय संबंधों को एक नए मुकाम पर ले जाना, मौजूदा सहयोग तंत्रों को मजबूत करना और द्विपक्षीय व बहुपक्षीय, दोनों स्तरों पर सहयोग को और प्रगाढ़ करने के नए रास्ते तलाशना है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उन्होंने और फिको ने रिश्तों को नई दिशा देने के तरीकों पर चर्चा की। मोदी और फिको ऊर्जा सुरक्षा, स्थिरता और मज़बूती को बढ़ावा देने के लिए ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर भी सहमत हुए। इसके लिए परमाणु ऊर्जा और भूतापीय ऊर्जा सहित ऊर्जा के विभिन्न स्रोतों को अपनाने पर जोर दिया जाएगा। उन्होंने कहा, हमारे पास असीम संभावनाएं हैं। हमारी आकांक्षाएं और भी बड़ी हैं। ऑटोमोबाइल, रेलवे, उन्नत विनिर्माण और हरित प्रौद्योगिकी हमारे लिए खास दिलचस्पी के क्षेत्र हैं। मोदी ने कहा कि आज हमने इन सभी मुद्दों पर अपनी ताकत को मिलाकर दोनों देशों के लोगों के फायदे के लिए कई अहम फैसले लिए। मोदी ने यह भी कहा कि भारत और स्लोवाकिया के बीच रक्षा सहयोग दोनों पक्षों के बीच गहरे आपसी भरोसे और रणनीतिक तालमेल का सबूत है।

भारत और स्लोवाकिया अपने संबंधों को व्यापक साझेदारी के स्तर पर ले जाने को हुए सहमत

ब्रातिस्लावा, भाषा। भारत और स्लोवाकिया ने सोमवार को अपने संबंधों को व्यापक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने और द्विपक्षीय व्यापार तथा रक्षा सहयोग को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। दोनों देशों के बीच यह सहमति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको के बीच बातचीत के बाद बनी। दोनों नेता भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को यथाशीघ्र लागू करने की दिशा में काम करने पर भी सहमत हुए। इससे दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को काफी मजबूती मिलने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री मोदी यूरोप की अपनी एक हफ्ते की यात्रा के तहत ब्रातिस्लावा में हैं। किसी भारतीय प्रधानमंत्री की स्लोवाकिया की यह पहली यात्रा है। प्रधानमंत्री मोदी ने मीडिया में जारी बयान में कहा, हमने अपने संबंधों को व्यापक साझेदारी के स्तर तक ले जाने का फैसला किया है। यह हमारी साझा मान्यताओं, साझा प्राथमिकताओं और साझा भविष्य का प्रतीक है। मोदी ने भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में स्लोवाकिया से मिले सहयोग के लिए फिको के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा, हम इसे यथाशीघ्र लागू करने की दिशा में काम करेंगे ताकि दोनों देशों के उद्योगों, स्टार्टअप और व्यापारियों को इससे अधिक से अधिक लाभ मिल सके। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और स्लोवाकिया के बीच रक्षा सहयोग दोनों पक्षों के बीच प्रगाढ़ होते आपसी भरोसे और रणनीतिक तालमेल का सबूत है। दोनों नेताओं के बीच बातचीत के बाद रक्षा सहयोग पर एक रुचि पत्र को अंतिम रूप दिया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इससे दोनों पक्षों के रक्षा उद्योगों के बीच सहयोग को नई गति मिलेगी इस अवसर पर प्रधानमंत्री फिको ने भारत- यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते की प्रशंसा की और इसे अब तक के सबसे महत्वाकांक्षी व्यापार समझौतों में से एक बताया। उन्होंने कहा, स्लोवाकिया न केवल इस समझौते का स्वागत करता है, बल्कि इसे लागू करने के लिए अवाश्यक और व्यावहारिक कदम भी उठाएगा।

भारतीय सेना ने नेगेव मशीनगन के लिए इजराइली टेलीस्कोपिक उपकरण का चयन किया

यरूशलम, भाषा। भारतीय सेना ने अपनी नेगेव मशीनगन के लिए दिन के समय बेहतर तरीके से लक्ष्य देखने और निशाना लगाने में मदद करने वाले एक इजराइली टेलीस्कोपिक उपकरण का चयन किया है। कंपनी ने सोमवार को यह जानकारी दी। मेप्रोलाइट नामक इजराइली कंपनी ने एक बयान में कहा कि भारतीय सेना ने उसके एमईपीआरओ एक्स6 का चयन किया है, जो लक्ष्य को उसके वास्तविक आकार से छह गुना बड़ा दिखाने वाला स्थिर टेलीस्कोपिक उपकरण है। बयान में कहा गया है कि एमईपीआरओ एक्स6 उपकरण को असॉल्ट राइफल, हल्की मशीनगन और अन्य हथियार प्रणालियों के लिए बनाया गया है। कंपनी ने कहा कि वह मेक इन इंडिया पहल को मजबूती देने के लिए तकनीकी ज्ञान, उत्पादन प्रणालियां और विनिर्माण क्षमताएं भी भारत के साथ साझा करेगी। बयान के अनुसार निशाना लगाने में मददगार इन उपकरणों की आपूर्ति भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के माध्यम से की जाएगी। कंपनी ने कहा, स्थानीय स्तर पर उत्पादन और मेक इन इंडिया पहल को बढ़ावा देने के लिए मेप्रोलाइट ने आरआरपी डिफेंस के साथ एक व्यापक प्रौद्योगिकी प्रदान (टीओटी) समझौता किया है। इसके तहत कंपनी एमईपीआरओ एक्स6 के पूर्ण उत्पादन के लिए भारत को आवश्यक तकनीकी ज्ञान, उत्पादन प्रक्रियाएं और विनिर्माण क्षमताएं सुपुर्द करेगी। बयान में कहा गया है, आरआरपी डिफेंस इन उपकरणों का निर्माण भारत में ही करेगी और उन्हें भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) को आपूर्ति करेगी। इस कार्यक्रम के तहत बीईएल भारतीय सेना के लिए मुख्य ठेकेदार की भूमिका निभाएगी।

बांग्लादेशी प्रधानमंत्री के सलाहकार से जुड़ी घटना को लेकर भारतीय राजनयिक तलब

ढाका, भाषा। बांग्लादेश ने दिल्ली हवाई अड्डे पर अपने प्रधानमंत्री के एक सलाहकार से जुड़ी घटना को लेकर सोमवार को भारत के उप उच्चायुक्त पवन बधे को तलब करके आपत्ति जताई। यहां मीडिया में आई खबरों यह जानकारी दी गई है। सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस के अनुसार रविवार शाम नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नियमित सुरक्षा जांच के दौरान आव्रजन अधिकारियों ने प्रधानमंत्री के नीति एवं रणनीति मामलों तथा सूचना एवं प्रसारण संबंधी सलाहकार डॉ. जाहेद उर रहमान को रोका था। समाचार एजेंसी ने विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी के हवाले से कहा कि मंत्रालय ने भारतीय उप उच्चायुक्त पवन बधे को तलब किया और इस घटना पर अपनी गहरी निराशा व्यक्त की। विदेश मंत्री डॉ. खलीलुर रहमान ने कहा कि सरकार इस मामले को लेकर उचित कदम उठा रही है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, यह एक अप्रत्याशित घटना है, और दुर्भाग्यपूर्ण भी। प्रोथोम आलो समाचार पत्र ने एक खबर में राजनयिक सूत्रों के हवाले से बताया कि हिंद महासागर तटीय क्षेत्रीय सहयोग संघ (आईओआरए) के वरिष्ठ अधिकारियों की समिति की 28वीं बैठक में भाग लेने के लिए भारत गए जाहेद उर रहमान से आव्रजन अधिकारियों ने पूछताछ की और उन्हें लगभग ढाई घंटे तक इंतजार कराया गया। बीएसएस ने सूत्रों के हवाले से बताया कि बाद में भारतीय अधिकारियों ने उन्हें यात्रा जारी रखने की अनुमति दे दी।

लक दल के 24 सदस्य अब भी वहीं हैं और जांच में सहयोग कर रहे

ब्रिटेंन की अपराध एजेंसी ने रूस के तेल टैंकर पर छापेमारी कर एक भारतीय व्यक्ति को गिरफ़्तार किया

» लंदन, भाषा।

पश्चिमी देशों की ओर से रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों के कथित उल्लंघन से जुड़े मामले में ब्रिटेन के अधिकारियों ने एक भारतीय नागरिक को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी इंग्लिश चैनल में रूस के एक शैडो फ्लीट (गुप्त बेड़े) के तेल टैंकर को रोकने के लिए ब्रिटेन की राष्ट्रीय अपराध एजेंसी (एनसीए) और सशस्त्र बलों द्वारा चलाए गए संयुक्त अभियान के दौरान की गई। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने रविवार को पुष्टि की कि एसएमवाईआरटीओएस नामक जहाज पर रॉयल मरीन कमांडो और एनसीए के विशेष रूप से प्रशिक्षित अधिकारियों ने कार्वाई की। यह इस तरह का पहला अभियान था, जिसका नेतृत्व ब्रिटेन ने स्वयं किया।

एनसीए के एक प्रवक्ता ने कहा, 14 जून की सुबह रूस के शैडो फ्लीट के एक जहाज को रोके जाने के बाद 38 वर्षीय भारतीय नागरिक को रूस से संबंधित प्रतिबंध नियमों के संभावित उल्लंघन के संदेह में गिरफ्तार किया गया है। हालांकि, एजेंसी ने भारतीय नागरिक पर आरोपों से संबंधित ब्यूरा नहीं दिया है। प्रवक्ता ने कहा, उसे हिरासत में लिया गया है, जहां एनसीए के जांचकर्ता उससे पूछताछ करेंगे। जांच अभी जारी है, इसलिए फिलहाल हम इससे अधिक टिप्पणी नहीं कर सकते। एनसीए के अनुसार, उसके अधिकारियों ने सशस्त्र बलों के साथ मिलकर प्रतिबंधों के दायरे में आने वाले इस रूसी तेल टैंकर पर छापा मारकर उसे अपने नियंत्रण में लिया। यह जहाज फिलहाल दक्षिण-पश्चिम इंग्लैंड में डॉर्सेट तट के पास लंगर डाले हुए है। शैडो फ्लीट उन जहाजों को कहा जाता है जो समुद्री नियमों से बाहर रहकर संचालन करते हैं और अक्सर अपने वास्तविक स्वामित्व तथा मूल स्रोत को छिपाने के लिए गुप्त तरीकों का इस्तेमाल करते हैं। ब्रिटेन की

अपराध जांच एजेंसी के मुताबिक, जहाज पर मौजूद चालक दल के 24 सदस्य अब भी वहीं हैं और जांच में सहयोग कर रहे हैं। सदस्य भारतीय और जॉर्जियाई-भारतीय हैं। एनसीए के महानिदेशक ग्रेम बिगर ने कहा, रूस द्वारा प्रतिबंधों से बचने की कोशिशों पर अंकुश लगाने के लिए एनसीए अपने साझेदारों के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह अब एनसीए की आपराधिक जांच का हिस्सा है, इसलिए फिलहाल हम और टिप्पणी नहीं कर सकते। इससे पहले प्रधानमंत्री स्टॉर्मर ने कहा था कि यह अभियान रूस के लिए एक और बड़ा झटका है और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के यूक्रेन युद्ध का समर्थन करने वालों को यह संदेश देता है कि वे छिप नहीं सकते। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि एसएमवाईआरटीओएस को अस्थाई रूप से एक सुरक्षित बंदरगाह पर ले जाया जाएगा और पर्यावरण या सुरक्षा संबंधी किसी भी संभावित जोखिम पर नजर रखी जाएगी। बताया गया है कि सप्ताहांत में की गई यह कार्वाई अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुरूप की गई। मार्च में हुए एक समझौते के बाद ब्रिटिश सशस्त्र बलों और कानून लागू करने वाली एजेंसियों को शैडो फ्लीट के जहाजों पर चढ़कर कार्वाई करने का अधिकार मिला था। रक्षा मंत्रालय ने कहा, शैडो फ्लीट पर कार्रवाई करने में ब्रिटेन अग्रणी भूमिका निभा रहा है और अब तक 500 से अधिक जहाजों पर प्रतिबंध लगा चुका है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज़ नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, ज़ोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com